Media Outreach

4th Anniversary Celebration

of

Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SMPRM)

Ministry of Rural Development

DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT

RURBAN DIVISION

Table of Contents

1. **अनुभाग अः मंत्रालय द्वारा प्रेस विज्ञप्ति**

   i. हिंदी भाषा में प्रेस विज्ञप्ति

   ii. प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा जारी विज्ञप्ति

2. **Section A: Press Release by Ministry**

   i. English Press Release

   ii. Press Release by Press Information Bureau (PIB)

   iii. Pictures on the program of 4th Anniversary (24.02.2020) of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission

3. **अनुभाग ब : SPMRM की चौथी वर्षगांठ पर प्रेस कवरेज**

   i. अमर उजाला: शहरों की तरह गांवों की सूरत संवारेगा : रर्बन मिशन

   ii. रूर्बन मिशन में भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का समावेश है : तोमर

   iii. Newspaper coverage from State of Jharkhand

   iv. Newspaper coverage from State of Chhattisgarh

4. **Section B: Press Coverage on occasion of 4th Anniversary of SPMRM**

   i. DD News-Shyama Prasad Mukherji National Rurban Mission completes four years

   ii. All India Radio-Shyama Prasad Mukherji National Rurban Mission completes four years

   iii. Business Standard-Rurban Mission embodies spirit of Indian culture of community living: Narendra Singh Tomar

   iv. Dariya News-Narendra Singh Tomar inaugurates the 4th anniversary celebration of Shyama Prasad Mukherjee Rurban Mission

   v. THE WEEK- Rurban Mission embodies spirit of Indian culture of community living: Narendra Singh Tomar

   vi. Outlook- Govt to encourage formation of “Cluster villages”

   vii. INDUS DICTUM-NITI Aayog proposes to extend Rurban Mission(SPMRM) to over 1000 clusters

viii. India Education Diary- 4th Anniversary of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission(SPMRM) on 21st February ,2020

ix. National Web News-Union Rural Development Minister Narendra Singh Tomar initiates The 4th Anniversary Celebration of Shyama Prasad Mukherjee Rurban Mission

x. All India Radio-Govt plans to construct 1,000 more urbanized clusters in rural areas, says Rural Development Minister Narendra Singh Tomar

xi. Newspaper coverage from the State (Mizoram,Telangana)

xii. The Indian Awaaz- Govt to construct 1,000 more urbanized clusters in rural areas

xiii. Newspaper coverage from the State (Gujarat, Andhra Pradesh)

5. Section C: Social Media

i. SPMRM- Tweets

अनुभाग अ:
मंत्रालय द्वारा प्रेस विज्ञप्ति

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन के शुभारंभ की चौथी वर्षगांठ पर

<u>राष्ट्रीय अनुभव, आदान प्रदान कार्यक्रम</u>

24 फरवरी 2020, डॉ.अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली

ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन (एसपीएमआरएम) की चौथी वर्षगांठ समारोह के अवसर पर एक राष्ट्रीय स्तर का अनुभव आदान प्रदान कार्यक्रम डॉ.अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में 24 फरवरी 2020 को आयोजित किया गया । इस आयोजन की अध्यक्षता ग्रामीण विकास, पंचायती राज और कृषि और किसान कल्याण मंत्री माननीय श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने की।

इस आयोजन में 600 से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों और 27 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों, मंत्रालयों और प्रेस के सदस्यों के के साथ-साथ क्लस्टर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन देश भर में क्लस्टर्स द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा तथा क्रिटिकल गैप फंडिंग के तहत प्रदान किए गए संसाधन उपयोग की जागरूकता और पैरवी करने के दोहरे उद्देश्य के साथ किया गया ।

कार्यक्रम की शुरुआत में संयुक्त सचिव, डॉ. बिस्वजीत बैनर्जी ने माननीय प्रधानमंत्री, के संदेश **“आत्मा गाँव की सुविधाओं शहर की”** संदेश का उल्लेख करते हुए प्रतिभागियों का स्वागत किया। तमिलनाडु में सुत्तामल्लि क्लस्टर, मिजोरम में ऐबक क्लस्टर और उत्तर प्रदेश के पटेहरा कला क्लस्टर में निर्मित की जा रही विभिन्न आर्थिक और सामाजिक बुनियादी सुविधाओं के प्रदर्शन के लिए एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान, माननीय मंत्री ने 18 बिभिन्न राज्यों से संकलित 50 सफलता की कहानियों पुस्तक का विमोचन किया, जो इन जैविक विकास केंद्रों की आकांक्षाओं की झलक देती है।

माननीय मंत्री जी ने जियो रुर्बन मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया, जो मिशन के तहत किए गए कार्यों को तुरंत पंजीकृत करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है और क्लस्टर में किये गए कार्यों की प्रगति के भू-संदर्भित हस्ताक्षर के साथ लोगों के इंटरफेस की शुरुआत है।

अपने संबोधन के दौरान, माननीय मंत्री ने कहा कि रुर्बन (एसपीएमआरएम) एक **'भारतीय प्रयोग'** है जिसमें सहकारी संघवाद के माध्यम से ग्रामीण आकांक्षा को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंचायतो और स्वंय सहायता समूह के प्रतिनिधियों को अपने क्लस्टर विकास को व्यापक रूप से देखने के लिए प्रयास करना चाहिए और अंततः सभी योजनाओं के अभिसरण को लक्षित करना चाहिए। उन्होंने इस व्यापक विकास के दृष्टिकोण के लिए एसपीएमआरएम द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की। इसके अलावा, उन्होंने उल्लेख किया कि हमें ग्रामीण भारत की वर्तमान चुनौतियों को अलग नजरिये के साथ अभिसरण तथा रोजगार के अवसरों के अनुकूल देखने की आवश्यकता है। जिससे, हम आर्थिक स्थिरता प्रदान करने वाले क्लस्टर्स के अंदर कई नए आजीविका विकल्प बना सकते हैं। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि, 288 क्लस्टर्स के विकास में मिशन के कार्यान्वयन से सीखने के साथ-साथ देश के चारो कोनो के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और राज्यों से मांग से, एक नया 1,000 क्लस्टर विकास कार्यक्रम जल्द ही शुरू हो सकता है।

माननीय राज्य मंत्री, साध्वी निरंजन ज्योति ने अपने उदबोधन में कहा कि, रुर्बन मिशन के माध्यम से लोगों को बुनियादी सुविधाएं मिल रही हैं और इसलिए कई विकास विकल्प संभव हो रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्लस्टर्स के विकास से हमारे शहरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव श्री राजेश भूषण ने बताया कि, मिशन के प्रारम्भ होने के बाद से, 288 क्लस्टर्स की एकीकृत क्लस्टर विकास योजना विकसित की गई हैं और संबंधित राज्यों द्वारा 240 क्लस्टर्स की विस्तृत परियोजना

प्रतिवेदन को मंजूरी दी गई है, जहां पहले से ही जमीनी स्तर पर विकास कार्य प्रारम्भ हो गए हैं। इन क्लस्टर्स में रु 28,075 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से रु 6,689 करोड़ रुपये के कार्य पहले ही किर्यान्वित हो चुके हैं। उन्होंने मिशन के माध्यम से हो रही विभिन्न योजनाओं के अभिसरण पर भी जोर दिया।

13 राज्यों के पंचायतो के प्रतिनिधियों, स्वंय सहायता समूह की महिलाओं और अधिकारियों ने अपने क्लस्टर विकास के अनुभवों का आदान प्रदान किया। जिला परिषद प्रकाशम जिले के सीईओ, श्री कैलाश गिरीश्वर ने रोजगार के विभिन्न विकल्पों की व्याख्या की और बताया कि रिवर्स माइग्रेशन हो रहा है। श्री मयूर दीक्षित, सीडीओ, उद्धम सिंह नगर उत्तराखंड के साथ पंचायतो के प्रतिनिधिओं ने पहेनिया क्लस्टर में हस्तशिल्प क्षेत्र के विकास पर केंद्रित निवेश संगोष्ठी के आयोजन के बारे में बताया । उनके द्वारा निजी क्षेत्र के निवेश और कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) का समर्थन प्राप्त करने के प्रयासों के बारे में भी बताया गया । इसी प्रकार, गुजरात, राजस्थान, तेलंगाना, झारखंड, मध्य प्रदेश, केरल, छत्तीसगढ़, मिजोरम और पंजाब के प्रतिनिधियों ने बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ क्लस्टर्स में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की प्रगति पर प्रदर्शन दिया।

इस आयोजन में श्री प्रशांत कुमार, विशेष सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, तथा अन्य मंत्रालयों से जैसे पंचायती राज मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

ग्रामीण विकास मंत्रालय

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन (एसपीएमआरएम) की चौथी वर्षगांठ 21 फरवरी, 2020 को मनाई जाएगी

बढ़ते शहरीकरण वाले 300 ग्रामीण क्लस्टरों को समयबद्ध एवं समग्र ढंग से विकसित करने की परिकल्पना की गई है

ग्रामीण क्लस्टरों की सफलता से उत्साहित होकर नीति आयोग ने अगले तीन वर्षों में 1000 से भी अधिक क्लस्टरों के लिए एक नये एवं विस्तारित कार्यक्रम का प्रस्ताव किया है

Posted On: 20 FEB 2020 6:44PM by PIB Delhi

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन (एसपीएमआरएम) के शुभारंभ की चौथी वर्षगांठ कल यानी 21 फरवरी, 2020 को मनाई जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकास की दहलीज पर पहुंच चुके ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक बदलाव लाने वाले कदमों को उठाने के विजन के साथ 21 फरवरी, 2016 को इस मिशन को लॉन्च किया था।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किये गये श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन के तहत स्थान संबंधी नियोजन के जरिए क्लस्टर आधारित एकीकृत विकास पर फोकस किया जाता है। देश भर के ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण क्लस्टरों की पहचान की जाती है, जहां शहरी घनत्व में वृद्धि, गैर-कृषि रोजगारों के उच्च स्तर, आर्थिक गतिविधियां बढ़ने और अन्य सामाजिक-आर्थिक पैमाने जैसे शहरीकरण के बढ़ते संकेत मिल रहे हैं।

मिशन का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करने के साथ-साथ बुनियादी सेवाओं में बढ़ोतरी और सुव्यवस्थित ग्रामीण क्लस्टरों का सृजन करके इन ग्रामीण क्लस्टरों में व्यापक बदलाव लाना है। इससे संबंधित क्षेत्र का समग्र विकास होगा और एकीकृत एवं समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मिशन के तहत 300 ग्रामीण क्लस्टरों को समयबद्ध एवं समग्र ढंग से विकसित करने की परिकल्पना की गई है। इनमें से 296 क्लस्टरों का चयन किया गया है और 288 एकीकृत क्लस्टर कार्य योजनाओं (आईसीएपी) को स्वीकृति दी गई है। 240 क्लस्टरों की विस्तृत परियोजना रिपोर्टों को मंजूरी दी गई है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन दरअसल केन्द्र प्रायोजित एक प्रमुख योजना है। इस मिशन में धनराशि या वित्त से जुड़े दो घटक हैं: (1) विभिन्न केन्द्रीय क्षेत्र योजनाओं, केन्द्र प्रायोजित योजनाओं, राज्य क्षेत्र/प्रायोजित योजनाओं/कार्यक्रमों, सीएसआर कोष के जरिए रूपांतरित धनराशि और (2) कम पड़ रही अत्यंत आवश्यक धनराशि का इंतजाम (सीजीएफ)। इसमें गैर-जनजातीय क्लस्टरों के लिए प्रति क्लस्टर 30 करोड़ रुपये तक और जनजातीय एवं पहाड़ी राज्यों वाले क्लस्टरों के लिए प्रति क्लस्टर 15 करोड़ रुपये तक के सीजीएफ का प्रावधान किया गया है।

मौजूदा समय में, अब तक जारी की गई केन्द्रीय हिस्सेदारी वाली कुल धनराशि 1,842.97 करोड़ रुपये है। 288 आईसीएपी में 28,075 करोड़ रुपये के कुल निवेश को मंजूरी दी गई है। विभिन्न योजनाओं से रूपांतरित धनराशि 21,194 करोड़ रुपये और 6882 करोड़ रुपये है। इनमें से कुल व्यय 30 नवम्बर, 2019 तक 6,689

करोड़ रुपये का हुआ, जिसमें से 5619 करोड़ रुपये रूपांतरित धनराशि के रूप में थे, जबकि 1071 करोड़ रुपये सीजीएफ के तहत थे। इसके तहत जारी की जा रही सीजीएफ धनराशि के 31 मार्च, 2020 तक बढ़कर 1,200 करोड़ रुपये का लक्ष्य पार कर लेने की आशा है।

इन समूहों में नियोजित इन्फ्रास्ट्रक्चर में सभी घरों को 24x7 पानी की आपूर्ति, घरेलू और क्लस्टर स्तर पर ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की सुविधा, क्लस्टर के गांवों में और गांव के भीतर की सड़कों का प्रावधान, हरित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और सार्वजनिक परिवहन की सुविधा शामिल है। क्लस्टर में आर्थिक सुविधाओं में कृषि सेवाओं एवं प्रसंस्करण के क्षेत्र में विभिन्न विषयगत क्षेत्र, पर्यटन और लघु एवं मध्यम उद्यम को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास को शामिल किया गया है।

एसपीएमआरएम क्लस्टर स्थानीय स्तर पर आधार-रेखा सर्वेक्षण के दौरान चिन्हित किए गए निम्नलिखित घटकों से चयनित हस्तक्षेपों पर केंद्रित करते हैं:

(i) स्वच्छता, (ii) पाइप द्वारा जलापूर्ति, (iii) ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन, (iv) ग्रामीण सड़क पर प्रकाश और बिजलीकरण, (v) नालियों सहित गांवों की सड़कों तक पहुंच, (vi) अंतर ग्रामीण सड़क संपर्कता, (vii) सार्वजनिक परिवहन, (viii) आर्थिक गतिविधियों से जुड़ा कौशल विकास प्रशिक्षण, (ix) कृषि-सेवा प्रसंस्करण और संबद्ध गतिविधियां, (x) स्वास्थ्य, (xi) शिक्षा, (xii) डिजिटल साक्षरता, (xiii) नागरिक सेवा केंद्र, (xiv) एलपीजी गैस कनेक्शन, (xv) पर्यावरण, (xvi) रोजगार सृजन और स्वसहायता समूहों का गठन, (xvii) पर्यटन को प्रोत्साहन, (xviii) खेल अवसंरचना, (xix) सामाजिक अवसंरचना, (xx) ग्रामीण आवास (xxi) समाज कल्याण।

इसके अलावा, ग्रामीण विकास मंत्रालय मिशन की जमीनी प्रगति में तेजी लाने के लिए कदम उठा रहा है। मिशन सभी चिन्हित कार्यों को पूरा करने के लिए दो साल का विस्तार चाहता है। मंत्रालय को कई मंचो और कई राज्यों तथा निर्वाचित अधिकारियों की तरफ से और अधिक रूर्बन क्लस्टर आवंटित करने का अनुरोध प्राप्त हुआ है। नीति आयोग ने हाल में मंत्रालय को बताया है कि रूर्बन क्लस्टरों की सफलता से मिली सीख के आधार पर अगले तीन वर्षों में 1000 से अधिक कलस्टरों के लिए एक नए और विस्तारित कार्यक्रम की योजना बनाई जा सकती है।

इसका उद्देश्य समेकित और समय आधारित प्रणाली के तहत आर्थिक विकास अवसरों के साथ सभी बुनियादी सुविधाओं से लैस अवसंरचना का विकास है, जो प्रधानमंत्री के शब्दों में 'आत्मा गांव की....., सुविधाएं शहर की.....' के आधार पर किया जाना है।

******

एस.शुक्ला/एएम/आरआरएस/एके/एकेपी/वाईबी/सीएस/डीए – 5865

(Release ID: 1603897) Visitor Counter : 173

Read this release in: English , Urdu

Section A:

Press Release by Ministry

Press Release

National Experience Sharing on fourth anniversary of launch of

Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission

24th February 2020, Dr. Ambedkar International Centre, New Delhi

Ministry of Rural Development organised a National level experience sharing on the occasion of fourth anniversary celebration of launch of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) at Dr. Ambedkar International centre, New Delhi. The event was chaired by Shri Narendra Singh Tomar, Hon'ble Minister of Rural Development, Panchayati Raj and Agriculture & Farmers Welfare.

The event saw participation from over 600 panchayat members, SHG members and officials representing Rurban clusters from across from 27 States, UTs as well as officials from Ministries and member of Press.

The event was organised with a dual purpose of appreciating progress made by clusters across the country as well as build to raise awareness and advocacy for the Mission to ensure optimisation of resource use provided under Critical Gap Funding mechanism.

At the outset, Joint Secretary Dr. Biswajit Banerjee extended welcome to the participants mentioning the message of Hon'ble Prime Minister, 'आत्मा गाँव की सुविधाएं शहर की'. A short film on success stories related to Suttamalli cluster in Tamil Nadu, Aibawk cluster in Mizoram and Patehara Kala cluster from Uttar Pradesh was screened to showcase the different economic and social infrastructure being created in the clusters.

During the event, the Hon'ble Minister released a compendium of 50 success stories from across 18 States which gives a glimpse of aspirations of these organic growth centres.

The Hon'ble Minister also launched the GeoRurban mobile app which is a digital platform for instantly registering works carried out under Mission and is the beginning of people interface with geo-referenced signature of progress of works in their cluster.

During his address, the Hon'ble Minister stated that Rurban (SPMRM) is a 'भारतीय प्रयोग' with a focus on achieving rural aspiration through co-operative federalism. He stressed that the panchayat and SHG leaders must focus on and strive for viewing their cluster development comprehensively and ultimately

targeting convergence of all schemes. He appreciated the steps taken by SPMRM for this comprehensive development approach. Further, he mentioned that we need to view the current challenges of rural India with changed lens – from the perspective of convergence and optimisation of resource use coupled with employment generation opportunities. Thereby, we can create several new livelihood options within the clusters imparting economic sustainability. **He concluded by stating that, building upon the learnings from the implementation of the Mission in the 288 clusters development, as well as the demand from elected representatives and States across the length and breadth of the Country, a new 1,000 clusters development program may soon be initiated.**

Minister of State, Sadhvi Niranjan Jyoti further added that through the mission people are getting basic facilities and hence several development options are becoming possible. She emphasised that the development of clusters will also have positive repercussions on the challenges our cities face. Shri Rajesh Bhushan, Secretary, Ministry of Rural Development informed that, since the launch, Integrated Cluster Action Plans of 288 clusters have been developed and Detailed Project Reports of 240 clusters have been approved by the concerned States, where on-ground work is already underway. A total investment of over Rs. 28,075 crore has been approved in these clusters out of which works worth Rs. 6,689 crore has already been implemented. He also emphasised on convergence of different schemes happening through the Mission.

Panchayat members, SHG women and officials from 13 States shared their cluster development experiences. Kailash Girishwar, CEO, Zila Parishad, Prakasam District explained various employment options created and highlighted that reverse migration is happening. Shri. Mayur Dixit, CDO, Uddham Singh Nagar was accompanied by the panchayat members from Paheniya cluster. He highlighted as to how private sector investment and CSR support has been mobilized by them through organising investment symposium focused on the cluster's handicraft sector development and is showing positive results. Similarly, representatives from Gujarat, Rajasthan, Telangana, Jharkhand, Madhya Pradesh, Kerala, Chhattisgarh, Mizoram and Punjab also showed progress being made in provision of basic amenities as well as increased employment opportunities in the clusters.

Shri Prashant Kumar, Special Secretary and other senior officials from Ministry of Rural Development, Ministry of Panchayati Raj, Ministry of Micro, Small &

Medium Enterprises and National Capital Region Planning Board attended the event.

Press Information Bureau
Government of India
Ministry of Rural Development

20-February-2020 18:44 IST

4th Anniversary of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) on 21st February, 2020

???????300 Rural clusters with increasing urbanization envisaged to be developed in a timebound and holistic manner Spurred by the success of Rurban clusters, NITI Aayog proposes a new and extended programme for over a 1,000 clusters in next 3 years

The 4th Anniversary of the launch of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) will be observed tomorrow. On 21st February 2016, the Prime Minister Shri Narendra Modi launched the Mission with the vision to deliver catalytic interventions to rural areas on the threshold of growth.

Undertaken by the Union Ministry of Rural Development, the SPMRM focuses on cluster-based integrated development through Spatial Planning. Rurban clusters are identified across the country's rural areas showing increasing signs of urbanization - i.e. increase in population density, high levels of non-farm employment, presence of growing economic activities and other socioeconomic parameters.

The Mission aims to transform these Rurban clusters by stimulating local economic development, enhancing basic services, and creating well planned Rurban clusters. This would lead to holistic development of the region and encourage integrated and inclusive rural development.

Under the mission 300 Rurban clusters are envisaged to be developed in a timebound manner. Of these 296 clusters have been selected and number of Integrated Cluster Action Plans (ICAPs) approved are 288 and Detailed Project Reports of 240 have been approved.

SPMRM is a Core Centrally Sponsored Scheme, The Mission has two fund streams: (1) Convergence through various Central sector schemes, centrally sponsored schemes, State sector/ sponsored schemes/ programmes, CSR funds, and (2) Critical Gap Funds (CGF). It provides for CGF upto Rs. 30 crore per cluster for Non-tribal clusters, and upto Rs. 15 crore per cluster for Tribal and Hilly State clusters.

Currently, total Central Share funds released till date is Rs. 1,842.97 cr. Total investment approved in 288 ICAPs is Rs.28,075 cr with convergence being Rs.21,194 cr and Rs. 6,882cr. Of this, total expenditure, as on 30th November 2019, was Rs.6,689 cr of which Rs. 5,619 cr formed convergence and Rs. 1,071 cr under CGF. The CGF Funds release is expected to cross target of Rs. 1,200 crore by 31st March, 2020.

Infrastructure planned in these clusters includes provision of 24/7 water supply to all households, Solid and Liquid Waste Management facilities at the household and cluster level, provision of Inter and Intra village roads within the cluster, adequate street lights and public transport facilities using green technologies. Economic amenities in a cluster comprise various thematic areas in the sectors of Agri Services and Processing, Tourism, and Skill Development to promote Small and Medium Scale Enterprises.

SPMRM clusters focus selecting interventions from the following components depending on locally felt need as identified during baseline survey:

(i) Sanitation, (ii) Piped Water Supply, (iii) Solid and Liquid Waste Management, (iv) Village Street Lights and Electrification, (v) Access to Village Streets With Drains, (vi) Inter Village Roads Connectivity, (vii) Public Transport, (viii)

Skill Development Training Linked to Economic Activities, (ix) Agri-Services Processing and Allied Activities, (x) Health, (xi) Education, (xii) Digital Literacy, (xiii) Citizens Service Centres, (xiv) LPG Gas Connection, (xv) Environment, (xvi) Employment Generation and SHG Formation, (xvii) Tourism Promotion, (xviii) Sports Infrastructure, (xix) Social Infrastructure, (xx) Rural Housing, (xxi) Social Welfare.

Going forward, the Ministry of Rural Development is taking steps to expedite Mission's on-ground progress. The Mission is seeking extension by 2 years to complete all the identified works. Ministry has received requests on several forums and communications from many States and elected officials to allocate more Rurban clusters. NITI Aayog has recently shared with Ministry that based on learning from the success of the Rurban clusters, a new and extended programme for over a 1,000 clusters in next 3 years may be planned.

In words of the Prime Minister, the objective is to develop the clusters with आत्मा गॉव की...., सुविधाएं शहर की…' by providing all the basic amenities, infrastructure as well as economic development opportunities in an integrated and timebound manner.

****

APS/PK

Release of Success Story

Hon'ble Minister Shri. Narendra Singh Tomar addressing the participants

अनुभाग ब:

SPMRM की 4 वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रेस कवरेज

अमर उजाला

शहरों की तरह गांवों की सूरत संवारेगा 'रर्बन मिशन'

न्यूज डेस्क, अमर उजाला, नई दिल्ली Updated Tue, 25 Feb 2020 03:50 AM IST

नरेंद्र सिंह तोमर (फाइल फोटो)

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रर्बन मिशन (एसपीएमआरएम) के तहत अब शहरी सुविधाओं के साथ विकसित हो रहे गांवों में विकास कार्यों की पल-पल की खबर जिओ टैगिंग की मदद से मिलेगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने 300 क्लस्टर में समग्र विकास योजना के बाद अब इसे एक हजार नए क्लस्टर में शुरू करने का एलान किया है।

इस योजना में शहरों से सटी ग्रामीण आबादी में स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचा, रोड कनेक्टिविटी, रोजगार जैसी योजनाओं को एक साथ लाकर विकास किया जा रहा है। सोमवार को दिल्ली के अंबेडकर भवन में योजना के चार साल पूरे होने पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने इस योजना की समीक्षा की।

तोमर ने इस अवसर पर जिओ टैगिंग एप की भी शुरुआत की। उन्होंने एक हजार नए क्लस्टर की विस्तृत योजना का खाका पेश किया। यह योजना 2016 में शुरू हुई थी। चार सालों में 296 क्लस्टरों में काम लगभग पूरा हो गया है। इसमें 1,842.97 करोड़ रुपये खर्च हुए।

http://mediapassion.co.in/?p=49179

रूर्बन मिशन में भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का समावेश है : तोमर

25/02/2020 - by Media Passion

नई दिल्ली : केन्द्रीय ग्रामीण विकास, पंचायती राज, कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने आज नई दिल्ली स्थित डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ग्रामीण मिशन के चौथे वार्षिक समारोह का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा रूर्बन मिशन में भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का समावेश है.

इस मिशन की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 फरवरी, 2016 को विकास की दहलीज पर खड़े ग्रामीण इलाकों के उत्प्रेरक प्रयासों की संकल्पना के साथ की थी। इसका उद्देश्य समन्वित और समयबद्ध तरीके से सभी मूलभूत सुविधाएं, बुनियादी ढांचे के साथ ही आर्थिक विकास के अवसर प्रदान करके संपूर्ण रूप से समूह बनाना है।

औपचारिक दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद उपस्थित जनों को संबोंधित करते हुए श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मिशन की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा रूर्बन मिशन में भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का समावेश है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए समुदाय परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखना होगा और कलस्टर पहुंच इस बारे में बहुत लाभदायक है। उन्होंने यह अनुरोध किया कि लोगों को 'सबका साथ सबका विकास' के उद्देश्य को हासिल करने के लिए समर्पित होना चाहिए और गांव और ग्रामीण भारत के विकास के लिए समुदाय भावना के साथ काम करना चाहिए । उन्होंने कहा जब समुदाय भावना और प्रयासों में बढ़ोतरी होती है तब केंद्र और राज्य कलस्टरों की विकास के लिए मिलकर काम करेंगे और सभी योजनाओं को इस उद्देश्य की दिशा में समावेशी बनाया जाएगा।

ग्रामीण विकास सचिव श्री राजेश भूषण ने रुर्बन मिशन के अंतर्गत सकारात्मक हस्तक्षेप और सफलता की कहानियों की प्रशंसा की। उन्होंने अनुभव और कठिनाइयों को साझा करने के लिए विभिन्न राज्यों एवं पंचायती राज संस्थानों के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया, ताकि अन्य लोग उनसे कुछ सीखें और समग्र कार्यान्वियन में सुधार कर सकें। श्री भूषण ने मिशन के तहत उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा अब तक 300 क्लस्टर आवंटित किए गए हैं, जिनमें से 296 को मंजूरी मिल गई है।

मिशन के महत्व के बारे में बात करते हुए श्री भूषण ने कहा कि यह मिशन केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की योजनाओं का मेल है, जिससे योजनाबद्ध और संगठित तरीके से क्षेत्र का समग्र विकास होता है। उन्होंने बताया कि यह मिशन रोजगार के अवसर प्रदान करता है। इसके साथ ही साथ यह ग्रामीण भारत में अपशिष्ट प्रबंधन, स्मार्ट क्लासरूम, पाइप द्वारा जलापूर्ति, सड़कें, कृषि प्रसंस्करण और प्राथमिक उत्पादन में मूल्य वृद्धि जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करता है और यह गांवों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

21st February 2020 - Rashtriya Navin Mail – State of Jharkhand

जनजातीय रुर्बन क्लस्टर के रूप में विकसित हो रहा है मंगरा

रूर्बन मिशन के वार्षिक वर्षगांठ पर प्रखंड प्रशासन ने गिनायी उपलब्धियां

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह/लातेहार। शहरों की तरह गांवों के विकास के लिए झारखंड सरकार राष्ट्रीय रुर्बन मिशन के तहत गांवों के क्लस्टरों को रूर्बन क्लस्टर के रूप में विकसित करने का कार्य कर रही है। पूरे मामले पर बरवाडीह प्रखंड विकास पदाधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि 21 फरवरी को श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन अपना चतुर्थ वर्षगांठ रूर्बन उत्सव के रूप में मना रहा है। लातेहार जिले मंगरा और उक्कामांड रूर्बन क्लस्टर के रूप में 2018 में भारत सरकार द्वारा चयनित किया गया है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य आर्थिक, सामाजिक और बुनयादी सुविधाएं उपलब्ध कराते हुये ग्रामीण संतुलन बनाये रखना है। केन्द्र और राज्य

संपोषित योजनाओं का ब्लूप्रिंट तैयार करते हुए सम्बधित पंचायतों में समेकित विकास किया जा रहा है। अभिसरण के तहत आने वाले विभागों से अभी तक 40 जलमीनार का सफलता पूर्वक अधिष्ठापन किया है, सम्बधित रूर्बन पंचायत में पेयजल एवं स्वछता प्रमंडल लातेहार द्वारा वृहद ग्रामीण पाइप लाइन जलापूर्ति योजना का प्रस्ताव भेजा गया है, जो तकनीकी अनुमोदन के क्रम में है। मंगरा पंचायत में लेमन ग्रास यूनिट की स्थापना की गई है। जिसके माध्यम से लेमन ग्रास और तुलसी का तेल निकाला जा रहा है। उक्त पंचायतों में 1,481 गैस कनेक्सन का वितरण किया गया हैं, 819 आवास का निर्माण, 1280 शौचायल का निर्माण किया गया है। पीएमजी दिशा, डिजिटल बेटी योजना माध्यम से लोगों को साक्षर बनाने के साथ कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कर किया जा रहा है। वहीं, रूर्बन मिशन अंतर्गत प्रोजेक्ट पदाधिकारी इन्दु भूषण सिन्हा ने बताया कि उक्त पंचायतों में केंद्र द्वारा प्राप्त होने वाली राशि मॉडल स्कूल, मॉडल आंगनबाड़ी, ई लर्निंग सेंटर, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, कोल्ड रूम, आरओ ट्रीटमेंट प्लांट, लाह प्रसंस्करण, डेयरी डेवेलपमेंट, पशुपालन समेत 31 योजनाओं का डीपीआर जिला प्रशासन द्वारा तैयार किया गया है, जिसे प्रशासनिक स्वीकृति के लिये राज्य सरकार के पास प्रेषित किया गया है, अनुमोदन और केन्द्रांश प्राप्त होते ही इन सभी योजनाओं पर कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

Jharkhand

रूर्बन मिशन की वर्षगांठ पर प्रशासन ने गिनायी उपलब्धियां

जनजातीय रुर्बन क्लस्टर के रूप में विकसित हो रहा है मंगरा

शशि शेखर

बरवाडीह। शहरों की तरह गांवों के विकास के लिए झारखंड सरकार राष्ट्रीय रुर्बन मिशन के तहत गांवों के क्लस्टरों को रूर्बन क्लस्टर के रूप में विकसित करने का कार्य कर रही है। पूरे मामले पर बरवाडीह प्रखंड विकास पदाधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि 21 फरवरी को श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन अपना चतुर्थ वार्षिकगाठ रूर्बन उत्सव के रूप में मना रहा है। लातेहार जिले मंगरा और उक्कामांड रूर्बन क्लस्टर के रूप में 2018 में भारत सरकार द्वारा चयनित किया गया है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य आर्थिक, सामाजिक और बुनयादी सुविधाएं उपलब्ध कराते हुये ग्रामीण संतुलन बनाये रखना है। केंद्र और राज्य संपोषित योजनाओं का ब्लूप्रिंट तैयार करते हुए संबधित पंचायतों में समेकित विकास किया जा रहा है। अभिसरण के तहत आने वाले विभागों से अभी तक 40 जलमीनार का सफलता पूर्वक अधिष्ठापन किया है, संबधित रूर्बन पंचायत में पेयजल एवं स्वछता प्रमंडल लातेहार द्वारा वृहद ग्रामीण पाइप लाइन जलापूर्ति योजना का प्रस्ताव भेजा गया है, जो तकनीकी अनुमोदन के क्रम में है। मंगरा पंचायत में लेमन ग्रास यूनिट की स्थापना किया गया है। इसके माध्यम से लेमन ग्रास और तुलसी का तेल निकाला जा रहा है। उक्त पंचायतों में 1481 एलपीजी गैस कनेक्शन का वितरण किया गया है, PMAY (G) के तहत 819 आवास का निर्माण, 1280 शौचालय का निर्माण किया गया है।

पीएमजी दिशा, डिजिटल बेटी योजना माध्यम से लोगों को साक्षर बनाने के साथ कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कर किया जा रहा है।

वही रूर्बन मिशन अंतर्गत प्रोजेक्ट पदाधिकारी इन्दु भूषण सिन्हा ने बताया कि उक्त पंचायतों में केंद्र द्वारा प्राप्त होने वाली राशि यॉडल स्कूल, यॉडल आंगनबाड़ी, ई लार्निंग सेंटर, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, कोल्ड रूम, आरओ ट्रीटमेंट प्लांट, लाइव प्रसंस्करण, डेयरी डेवेलपमेंट, पशुपालन समेत 31 योजनाओं का डीपीआर जिला प्रशासन द्वारा तैयार किया गया है, जिसे प्रशासनिक स्वीकृति के लिये राज्य सरकार के पास प्रेषित किया गया है, अनुमोदन और केंद्राश प्राप्त होते ही इन सभी योजनाओं पर कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

रूर्बन मिशन कार्यक्रम की चौथी वर्षगांठ मनायी गयी

बरवाडीह. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन कार्यक्रम की चौथी वर्षगांठ रूर्बन उत्सव के रूप में मनायी गयी. बीडीओ दिनेश कुमार ने बताया कि प्रखंड के मंगरा व उक्कामांड़ रूर्बन क्लस्टर के रूप में भारत सरकार द्वारा चयनित किया गया है. मिशन का मुख्य उद्देश्य आर्थिक, सामाजिक व बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए ग्रामीण संतुलन बनाये रखना है. इन गांवों में केंद्र व राज्य संपोषित योजनाओं का ब्लू प्रिंट तैयार करते हुए संबंधित पंचायतों में समेकित विकास किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि रूर्बन पंचायत में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल लातेहार द्वारा वृहद ग्रामीण पाइप लाइन जलापूर्ति योजना का प्रस्ताव भेजा गया है. मंगरा पंचायत में लेमन ग्रास यूनिट की स्थापना की गयी है, जिससे लेमन ग्रास व तुलसी का तेल निकाला जा रहा है. पीएमजी दिशा, डिजिटल बेटी योजना माध्यम से लोगो को साक्षर बनाने के समेत महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम किया जा रहा है.

Jharkhand

रुर्बन मिशन के चार साल पूरा होने पर कार्यशाला का आयोजन

पंचायत को बाजार के रूप में करेंगे विकसित : दास

घाटशिला | संवाददाता

घाटशिला प्रखंड अंतर्गत गुरुवार को बीडीओ संजय कुमार दास की अध्यक्षता में रुर्बन मिशन के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में काशिदा पंचायत के बरडीह मैदान में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विभागवार पदाधिकारियों के द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में किए गए कार्यों का स्टॉल लगाया गया तथा इन 4 वर्षों के दौरान की उपलब्धियों और आगे की कार्य योजना के बारे में विस्तार से विभागवार परिचर्चा की गई। परिचर्चा के दौरान बीडीओ द्वारा बताया गया कि रुर्बन के तहत गांव में ही बाजार की सारी सुविधाएं संबंधित पंचायत में ही उपलब्ध कराई जाएगी।

सरकार के द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि ग्राम स्तर पर ही बाजार की सारी मूलभूत सुविधाओं का लाभ ग्रामीणों को मिले, ताकि ग्राम वासियों को किसी भी अन्य कारणों से यथा रोजगार, पानी, बिजली स्कूल, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि से शहरों की ओर पलायन न करना पड़े। इसी प्रकार कई ऐसे आंगनबाड़ी केंद्र हैं जिन्हें मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र में विकसित किया गया है।

रुर्बन मिशन के कार्यशाला में लोगों को जानकारी देते बीडीओ। • हिन्दुस्तान

सैकड़ों स्ट्रीट लाइट लगाई गई है, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से जिम सेंटर, बच्चों के खेलने के लिए फुटबॉल मैदान, रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एसएचजी रूप का गठन किया गया है, एसएचजी महिलाओं को फ्लोरीकल्चर, मशरूम मड, मोमबत्ती निर्माण यूनिट आदि का प्रशिक्षण दिया गया है। बीडीओ ने कहा कि ऐसी कई योजनाएं प्रस्तावित है जैसे कोल्ड स्टोरेज, फ्लाई एस सीट यूनीट, बैटरी संचालित ऑटो (टोटो) दिया गया है। इसी क्रम में जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू द्वारा भी रूर्बन मिशन की उपलब्धियों की एवं उपयोगिताओं की जानकारी ग्राम वासियों को दी गई। इस कार्यशाला में सीओ रिंकू कुमार, प्रखंड प्रमुख हीरामणि मुर्मू, पंचायत मुखिया पोल्टू सरदार समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

रुर्बन मिशन के चार वर्ष पूरे होने पर बरडीह मैदान में कार्यशाला

संवाद-सहयोगी घाटशिला : रुर्बन मिशन के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कशीदा पंचायत के बरडीह मैदान में बीडीओ संजय कुमार दास की उपस्थिति में गुरुवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा चार वर्षों के दौरान की उपलब्धि और आगे की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से विभागवार परिचर्चा की।

बीडीओ ने कहा कि रुरबन मिशन के तहत गांव में ही बाजार की सारी सुविधाएं, उपलब्ध कराई जाएगी। भारत सरकार के निर्देशानुसार यह निर्णय लिया गया है कि ग्राम स्तर पर ही बाजार की सारी मूलभूत सुविधाओं का लाभ ग्रामीणों को मिले ताकि ग्रामीणों को रोजगार, पानी, बिजली, स्कूल, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के कारण शहरों की ओर पलायन न करना पड़े। उन्होंने बताया कि यहां के बच्चों को आधुनिक शिक्षा देने हेतु कंप्यूटर क्लासेस की व्यवस्था की गई है। सभी विद्यालयों में 14वें वित्त आयोग की मद से जलमीनार, बिजली, पानी, हैंडवाश यूनिट लगाए गए हैं और जहां जलमीनार, बिजली, पानी, हैंडवाश यूनिट नहीं लगे हुए हैं वहां लगाने की प्रक्रिया की जा रही है। इसी प्रकार कई ऐसे आंगनबाड़ी केंद्र हैं जिसे मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र में विकसित किया गया है। बीडीओ

रुर्बन मिशन को ले आयोजित कार्यशाला में लगे स्टॉल का निरीक्षण करते बीडीओ संजय दास, जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू व अन्य। जागरण

आयोजन

- कंप्यूटर क्लासेस की व्यवस्था से बच्चों को देते हैं आधुनिक शिक्षा
- केंद्र को मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र में किया गया विकसित

ने कहा कि इन सबके अतिरिक्त पंचायत को बाजार के रूप में विकसित करने की दिशा में सैकड़ों स्ट्रीट लाइट लगाए गए हैं। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से जिम सेंटर, बच्चों के खेलने के लिए फुटबॉल मैदान, रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एसएचजी ग्रुप का गठन किया गया है। एसएचजी महिलाओं को फ्लोरीकल्चर, मशरूम मड, मोमबत्ती निर्माण आदि का प्रशिक्षण दिया गया है। ऐसी कई योजनाएं प्रस्तावित है जैसे कोल्ड स्टोरेज, फ्लाई एस सीट यूनीट, बैटरी संचालित ऑटो (टोटो) दिया जाना है।

जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू द्वारा भी रुर्बन मिशन की उपलब्धियों एवं उपयोगिताओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा अपेक्षित सहयोग की अपेक्षा भी की गई। कार्यशाला में अंचलाधिकारी रिंकू कुमार, प्रखंड प्रमुख हीरामणी मुर्मू, मुखिया पलटु सरदार, जेएसएलपीएल के बीपीएम, आरटीसी के प्रबंधक, एरिया प्लानर एक्सपर्ट शीतल कुमारी तथा अन्य विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

Jharkhand

22-Feb-2020
हजारीबाग Page 3

दैनिक भास्कर

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन की चौथी वर्षगांठ पर पौधरोपण

भास्कर न्यूज | बरही

प्रखंड अंतर्गत पंचमाधव पंचायत के जरहिया गांव में श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन की चौथी वर्षगांठ मनाई गई। कार्यक्रम जरहिया गांव में बन रहे विवाह भवन के समीप हुई। इसमें बरही बीडीओ अरुणा कुमारी ने पौधा रोपण कर किया। उपस्थित ग्रामीणों को श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन के पदाधिकारी अमित कुमार एवं श्रेया कुमारी द्वारा बताया गया कि रुर्बन मिशन के तहत आपके पंचायत में कई योजनाएं यात्री शेड, मसाला यूनिट, विवाह भवन, नोट बुक मेकिंग यूनिट, छठ घाट शेड, साबुन मेकिंग यूनिट, सोलर इलेक्ट्रिक सेट आदि योजना चल रही हैं, जिससे ग्रामीणों को लाभ होगा। स्थानीय मुखिया हरेंद्र गोप ने बताया की रुर्बन मिशन के अंतर्गत हमारे पंचायत को शामिल करने में ब्लॉक प्रशासन, जिला प्रशासन का अहम योगदान रहा है। रूर्बन मिशन से हमारे पंचायत के ग्रामीणों एवं महिला संगठन के दीदी सबको अधिक से अधिक लाभ मिलेगा। मौके पर बीडीओ अरुणा कुमारी, मुखिया हरेंद्र गोप, युवा समाज सेवी नागेश्वर कुमार रजक, पूर्व मुखिया कामेश्वर रविदास, पंचायत सचिव रामानंद प्रसाद, एसबीएम लता, जीआरएस गोपाल भारती, उमेश गोप, कई वार्ड सदस्य, समाजसेवी, महिला समूह के दीदीयों में रंजू देवी, पुष्पा देवी, नैना देवी सहित ग्रामीणों में जानकी यादव, प्रयाग यादव, सुदीप यादव आदि उपस्थित रहे।

रूर्बन मिशन की चौथी वर्षगांठ मनी

कार्यक्रम में झारखंड के अफसर भी हुए शामिल।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राष्ट्रीय रूर्बन मिशन की चौथी वर्षगांठ पर ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नयी दिल्ली में सोमवार को नेशनल एक्सपीरियंस शेयरिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें सरकार के विशेष सचिव रवि रंजन ग्रामीण विकास विभाग झारखंड, उप सचिव नवीन किशोर सुवर्णों, विकास आयुक्त लातेहार दुमका एवं हजारीबाग राज्य स्तरीय पदाधिकारीगण, प्रखंड विकास पदाधिकारी नोवामुंडी, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम और हजारीबाग के पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। इस मौके पर विशेष सचिव व राज्य के प्रतिनिधिमंडल के द्वारा माननीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं माननीय ग्रामीण राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को पेपर मेसी निर्मित अशोक स्तंभ एवं भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा देते हुए सम्मानित किया गया।

उक्त कार्यशाला में झारखंड में रूर्बन मिशन के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के बारे में ग्रामीण विकास मंत्रालय को अवगत कराया गया।

Chhattisgarh

डॉ. अम्बेडकर अंतराष्ट्रीय परिसर, 15 जनपद रोड, नई दिल्ली में हुआ आयोजन

रूर्बन योजना के चौथे सालगिरह समारोह में कबीरधाम हुआ शामिल

दबंग रिपोर्टर ◻ कवर्धा

श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के चैथे वर्षगाठ के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य से कबीरधाम जिले के दो महिला स्व. सहायता समूह के सदस्य ने अपने अनुभव केन्द्र स्तर पर रखा। दिनांक 24 फरवरी को डॉ. अम्बेडकर अंतराष्ट्रीय परिसर, 15 जनपद रोड, नई दिल्ली में एक दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसमें जिले के मॉडल गौठान बिरकोना का भोर कलेवा, स्वल्पाहार केन्द्र कि अध्यक्ष जाना वैष्णव, ग्राम धरमपुरा में फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण, जय शनी देव महिला समूह कि अध्यक्ष रूखमणी राजपूत एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की निक्की वैष्णव शामील हुई। रूर्बन के साथ अन्य योजनाओं का अभिसरण करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास के साथ आजीविका संवर्धन से लाभान्वित होने एवं भोर कलेवा स्वल्पाहार केन्द्र तथा फ्लाई ऐश ब्रिक्स के निर्माण से होने वाले लाभ का अनुभव महिला समूह के सदस्यों ने भारत सरकार के पंचायत मंत्री माननीय नरेन्द्र सिंह तोमर एवं केन्द्र स्तर के अधीकारियों के समक्ष रखा।

रूर्बन योजना के बेहतर काम का मिला परिणाम, केन्द्रीय पंचायत मंत्री के समक्ष भोर कलेवा एवं फ्लाई ऐश ब्रिक्स बनाने वाली महिलाओं ने बताये अपने अनुभव- विजय दयाराम के. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम विजय दयाराम के. ने जानकारी देते हुए बताया कि रूर्बन के चैथे सालगीरह पर कार्यक्रम आयोजित हुआ है जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य से सिर्फ कबीरधाम जिले को शामिल करने हेतु राज्य से नामांकित किया गया। नामांकन मुख्य रूप से रूर्बन के तहत बनाये गये भोर कलेवा स्वल्पाहार केन्द्र का भवन और उसकी उपयोगिता तथा धरमपुरा के महिला समूह को रूर्बन से लाभान्वित किये गये फ्लाई ऐश मशीन, शेड आदि के कार्य से होने वाले सीधे लाभ के कारण यह अवसर मिला है। विजय दयाराम के. ने आगे बताया कि ग्राम बिरकोना के मॉडल गौठान को रूरल इन्डस्ट्री पार्क के तौर पर विकसित किया गया है। जिसमें भोर कलेवा का भवन रूर्बन से तैयार करके आजीविका मिशन के तहत गठित समूह को दिया गया है। जिसमे महिला स्व.सहायता समूह छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्वल्पाहार बेचाकर प्रतिदिन 1500 से 2000 रुपए की आमदनी कमा रही है जो कि गरीबी रेखा से निचे जीवन यापन करने वाली महिलाएं है। इसी तरह धरमपुरा में फ्लाई ऐश ब्रिक्स का निर्माण कर महिला समूह ईंटों को आस-पास के क्षेत्रों में विक्रय कर अच्छा लाभ कमा रहीं है। इन्ही सब उपलब्धियों के कारण राज्य से इस

कार्यक्रम के लिए कबीरधाम जिले का चयन किया गया था। नई दिल्ली के कार्यक्रम में जाना वैष्णव ने भोर कलेवा के बारे में केन्द्रीय पंचायत मंत्री और देश के सभी राज्यों से आए प्रतिनिधि एवं केन्द्र स्तर के अधिकारियों को विस्तार से बताया कि कैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के माध्यम से इन्हें लाभ हो रहा है। इसी तरह रूखमणी राजपूत ने अपने समूह के बारे में जानकारी देकर बताया कि समूह द्वारा बनाये जाने वाले ईंटो का उपयोग शासकीय कार्यो में हो रहा है और इसके साथ खूले बाजार में विक्रय कर अच्छा लाभ कमा रहीं है। कबीरधाम की महिला समूह के अनुभव को देश के अन्य राज्यों के साथ साझा किया गया।

गौरव नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में जिले के दो महिला स्व सहायता समूह की सदस्यों ने बांटे अपने अनुभव

महिलाओं ने मंत्री को बताए भोर कलेवा स्वल्पाहार से होने वाले लाभ

कबर्धा (नईदुनिया न्यूज)। श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय रूर्बन मिशन के चौथ वर्षगांठ के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य से कबीरधाम जिले के दो महिला स्व. सहायता समूह के सदस्य ने अपने अनुभव केंद्र स्तर पर रखे। 24 फरवरी को डॉ. आंबेडकर अंतराष्ट्रीय परिसर, 15 जनपद रोड, नई दिल्ली में एक दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

इसमें जिले के मॉडल गौठान बिरकोना का भोर कलेवा, स्वल्पाहार केन्द्र की अध्यक्ष जाना वैष्णव, ग्राम धरमपुरा में फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण, जय शनी देव महिला समूह कि अध्यक्ष रुखमणी राजपुत एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की नि-ो वैष्णव शामिल हुई। रूर्बन के साथ अन्य योजनाओं का अभिसरण करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास के

कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय पंचायत मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर। ● नईदुनिया

साथ आजीविका संवर्धन से लाभान्वित होने एवं भोर कलेवा स्वल्पाहार केन्द्र तथा फ्लाई ऐश ब्रिक्स के निर्माण से होने वाले लाभ का अनुभव महिला समूह के सदस्यों ने भारत सरकार के पंचायत मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं केन्द्र स्तर के अधीकारियों के समक्ष रखा।

महिलाओं ने बताये अपने अनुभव: विजय दयाराम के.: मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम विजय दयाराम के. ने जानकारी देते हुए बताया कि रूर्बन के चौथे सालगिरह पर कार्यक्रम आयोजित हुआ है जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य से सिर्फ कबीरधाम जिले को शामिल करने हेतु राज्य से नामांकित किया गया। नामांकन मुख्य रूप से रूर्बन के तहत बनाये गये भोर कलेवा स्वल्पाहार केन्द्र का भवन और उसकी उपयोगिता तथा धरमपुरा के महिला समूह को रूर्बन से लाभान्वित किये गये फ्लाई ऐश मशीन, शेड आदि के कार्य से होने वाले सीधे लाभ के कारण यह अवसर मिला है।

विजय दयाराम के. ने बताया कि ग्राम बिरकोना के मॉडल गौठान को रूरल इन्डस्ट्री पार्क के तौर पर विकसित किया गया है। जिसमें भोर कलेवा का भवन रूर्बन से तैयार करके आजीविका मिशन के तहत गठित समूह को दिया गया है। जिसमे महिला स्व.सहायता समूह छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्वल्पाहार बेचकर प्रतिदिन 1500 से 2000 रूपये की आमदनी कमा रही है जो कि गरीबी रेखा से निचे जीवन यापन करने वाली महिलाएं है। इसी तरह धरमपुरा में फ्लाई ऐश ब्रिक्स का निर्माण कर महिला समूह ईंटों को आस-पास के क्षेत्रों में विक्रय कर अच्छा लाभ कमा रहीं है। इन्ही सब उपलब्धियों के कारण राज्य से इस कार्यक्रम के लिए कबीरधाम जिले का चयन किया गया था।

नई दिल्ली के कार्यक्रम में जाना वैष्णव ने भोर कलेवा के बारे में केन्द्रीय पंचायत मंत्री और देश के सभी राज्यों से आए प्रतिनिधि एवं केन्द्र स्तर के अधिकारियों को विस्तार से बताया कि कैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के माध्यम से इन्हें लाभ हो रहा है। इसी तरह रुखमणी राजपुत ने अपने समूह के बारे में जानकारी देकर बताया कि समूह द्वारा बनाये जाने वाले ईंटो का उपयोग शासकीय कार्यो में हो रहा है और इसके साथ खुले बाजार में विक्रय कर अच्छा लाभ कमा रहीं है। कबीरधाम की महिला समूह के अनुभव को देश के अन्य राज्यों के साथ साझा किया गया।

Section B:

Press Coverage on occasion of 4th Anniversary of SPMRM

http://ddnews.gov.in/national/shyama-prasad-mukherji-national-rurban-mission-completes-four-years

Shyama Prasad Mukherji National Rurban Mission completes four years

21-02-2020 | 11:09 pm

The fourth Anniversary of the launch of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) was observed today. On 21st February 2016, Prime Minister Narendra Modi had launched the Mission with the vision to deliver catalytic interventions to rural areas on the threshold of growth.

On 21st February 2016, Prime Minister Narendra Modi had launched the Mission with the vision to deliver catalytic interventions to rural areas on the threshold of growth.This will lead to the holistic development of the region and encourage integrated and inclusive rural development.

NEWS SERVICES DIVISION
ALL INDIA RADIO

http://www.newsonair.com/Main-News-Details.aspx?id=381681

Feb 21, 2020 , 8:05PM

Shyama Prasad Mukherji National Rurban Mission completes four years

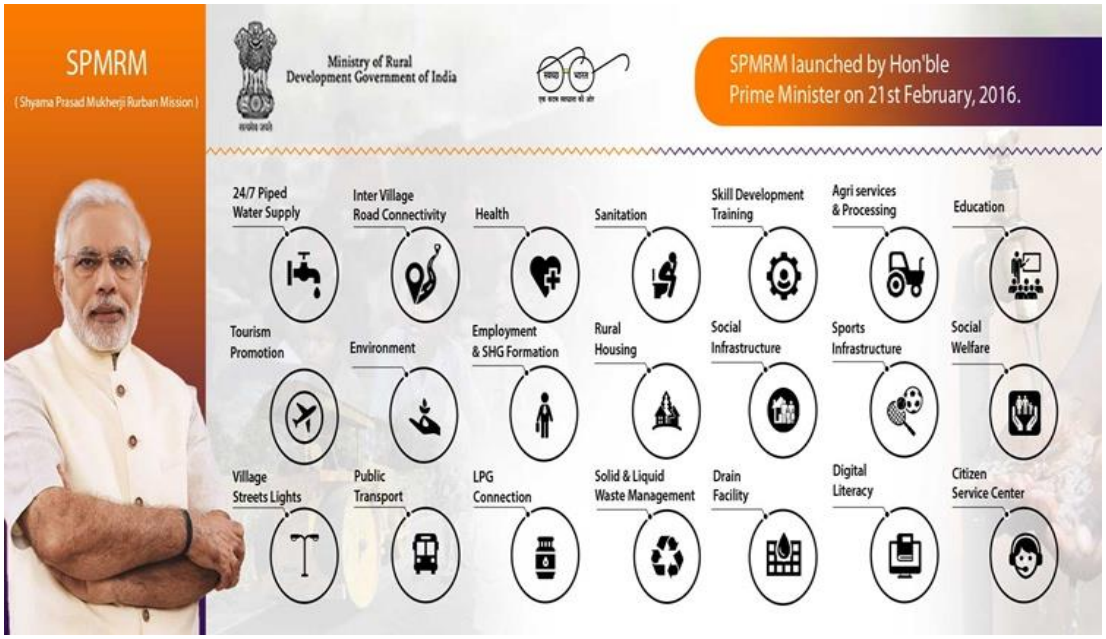

rurban.gov.in

The fourth Anniversary of the launch of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) was observed today. On 21st February 2016, Prime Minister Narendra Modi had launched the Mission with the vision to deliver catalytic interventions to rural areas on the threshold of growth.

The Mission aims at transforming these Rurban clusters by stimulating local economic development, enhancing basic services and creating well planned Rurban clusters. This will lead to the holistic development of the region and encourage integrated and inclusive rural development.

In an exclusive interview with All India Radio News, Secretary Rural Development Rajesh Bhushan outlined the objectives of the mission.

Spurred by the success of Rurban clusters, NITI Aayog has recently proposed a new and extended programme for over 1,000 clusters in next three years. In Sikkim, three such clusters are being developed in the South, East and West districts.

https://www.newsbharati.com/Encyc/2020/2/21/Shyama-Prasad-Mukherji-Rurban-Mission.html

आत्मा गॉव की, सुविधाएं शहर की..! Celebrating 4th anniversary of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission

News Bharati 21-Feb-2020

Rural areas are the cell of the national body and the cell-life must be healthy and developed for the national body to be healthy and developed, they say! While the future of India lies in the villages, PM Modi, back in 2016 had launched a Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission with the vision to deliver catalytic interventions to rural areas on the threshold of growth. Celebrating the 4th anniversary of the launch of the said Mission today, here's a small folio as flashed by the Centre, schooling you about the SPMRM in deets.

Undertaken by the Ministry of Rural Development, the **SPMRM has its focus on cluster-based integrated development through spatial planning.** Rurban

clusters are identified across the country's rural areas showing increasing signs of urbanization i.e. increase in population density, high levels of non-farm employment, presence of growing economic activities and other socioeconomic parameters.

While the mission aims to transform these Rurban clusters by stimulating local economic development, enhancing basic services, and creating well planned Rurban clusters, this is capable of leading to holistic development of the region and encourage integrated and inclusive rural development.

Under the mission 300 Rurban clusters are envisaged to be developed in a timebound manner, of these 296 clusters have been selected and number of Integrated Cluster Action Plans approved are 288. SPMRM is a Core Centrally Sponsored Scheme, where the Mission has two fund streams. Currently, total central share funds released till date is Rs. 1,842.97 crores and the total investment approved in 288 ICAPs is Rs. 28,075 crores.

Infrastructure planned in these clusters include provision of 24/7 water supply to all households, Solid and Liquid Waste Management facilities at the household and cluster level, provision of inter and intra village roads within the cluster, adequate street lights and public transport facilities using green

technologies. Economic amenities in a cluster comprise various thematic areas in the sectors of Agri Services and Processing, Tourism, and Skill Development to promote Small and Medium Scale Enterprises.

Going forward, the **Ministry of Rural Development is taking steps to expedite mission's on-ground progress**. The mission is seeking extension by 2 years to complete all the identified works. Ministry has received requests on several forums and communications from many States and elected officials to allocate more Rurban clusters. NITI Aayog has recently shared with Ministry that based on learning from the success of the Rurban clusters, a new and extended programme for over a 1,000 clusters in next 3 years may be planned. In words of the Prime Minister, the objective is to develop the clusters with **आत्मा गॉव की, सुविधाएं शहर की**' by providing all the basic amenities, infrastructure as well as economic development opportunities in an integrated and time bound manner.

https://www.business-standard.com/article/pti-stories/rurban-mission-embodies-spirit-of-indian-culture-of-community-living-narendra-singh-tomar-120022401495_1.html

Business Standard

Rurban Mission embodies spirit of Indian culture of community living: Narendra Singh Tomar

Press Trust of India | New Delhi Last Updated at February 24, 2020 23:04 IST

The Mission which was launched by Prime Minister Narendra Modi on February 21 2016, with the vision to deliver catalytic Union Minister Narendra Singh Tomar on Monday said the Centre's flagship scheme Rurban Mission, embodies the spirit of Indian culture and tradition which is that of community living.interventions to rural areas on the threshold of growth.

The objective of the Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) is to develop the cluster of rural villages in a holistic manner by providing all the basic amenities, infrastructure as well as economic development opportunities in an integrated and time bound manner.

Speaking at a ceremony to mark the fourth anniversary of the mission, Tomar, the Union Minister for Rural Development, said the Rurban Mission embodies the spirit of the Indian culture and tradition which is that of community living.

The community perspective has to be kept in mind for holistic development of a region and cluster approach is very fruitful in that regard, Tomar said in an official statement.

He said when the community spirit and effort increases, the Centre and states will work together for development of clusters and all schemes will be made convergent towards that objective.

The Union Minister said that the amount of funding given to this scheme is mostly for gap funding but the central and state government funding together can have a good impact on development of clusters.

News
New Delhi: 24 Feb 2020

Narendra Singh Tomar inaugurates the 4th anniversary celebration of Shyama Prasad Mukherjee Rurban Mission

The Union Minister for Rural Development, Panchayati Raj, Agriculture and Farmers' Welfare Narendra Singh Tomar today inaugurated the 4th Anniversary celebration of Shyama Prasad Mukherjee Rurban Mission at Dr. Ambedkar International Centre in New Delhi. The Mission was launched by Prime Minister Shri Narendra Modi on 21st February 2016, with the vision to deliver catalytic interventions to rural areas on the threshold of growth. The objective is to develop the clusters in a holistic manner by providing all the basic amenities, infrastructure as well as economic development opportunities in an integrated and time bound manner.Addressing the gathering after lighting the ceremonial lamp, Union Minister Shri Narendra Singh Tomar congratulated all the participants on the 4th Anniversary of the Mission and said that the Rurban mission embodies the spirit of Indian culture and tradition which is that of community living. Shri Tomar said that the community perspective has to be kept in mind for holistic development of a region and cluster approach is very fruitful in that regard. The Minister urged that people should be dedicated towards achieving the objective of 'sabka saath sabka vikas' and work towards development of villages and rural India with a community spirit. He said that when the community spirit and effort increases then Centre and State will work together for development of clusters and all schemes will be made convergent towards that objective.The Union Minister said that the amount of funding given to this scheme is mostly for gap funding but the Central and State government funding together can have a good impact on development of clusters.

Narendra Singh Tomar said that any project in its nascent stage faces a lot of hurdles or difficulties but when all the people decide to work together in unison then development will definitely be achieved. The Minister hailed the efforts of all involved with the SPM Rurban Mission and urged all to work harder for making this mission a success and increase the overall level of development especially in Rural India.Secretary, Department of Rural Development Shri Rajesh Bhushan hailed the positive interventions and success stories under the Rurban Mission and welcomed all the participants from various States and Panchayati Raj institutions to share their experiences and difficulties faced so that others can learn from them and improve overall implementation. Shri Bhushan highlighted the achievements under the mission and said that 300 clusters have been allocated so far by the Ministry out of which 296 have been approved.Talking about the importance of the Mission, the Secretary said that this mission leads to convergence of the schemes of Union

Government and the State Governments which leads to overall development of the region in a planned and organized manner. Shri Bhushan said that the critical gap funding aspect of the mission leads to further convergence and improves efficiency in overall implementation by providing financial assistance for various projects. He further informed that the mission provides good employment opportunities, basic as well as urban facilities to rural India such as waste management, smart classrooms, piped water supply, Roads, Agro processing and value addition to primary produce etc and therefore is critical for holistic development.

https://www.theweek.in/wire-updates/national/2020/02/24/del140-rd-tomar.html

Rurban Mission embodies spirit of Indian culture of community living Narendra Singh Tomar

***PTI* February 24, 2020 23:02 IST**

New Delhi, Feb 24 (PTI) Union Minister Narendra Singh Tomar on Monday said the Centre's flagship scheme Rurban Mission, embodies the spirit of Indian culture and tradition which is that of community living.

The Mission which was launched by Prime Minister Narendra Modi on February 21 2016, with the vision to deliver catalytic interventions to rural areas on the threshold of growth.

The objective of the Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) is to develop the cluster of rural villages in a holistic manner by providing all the basic amenities, infrastructure as well as economic development opportunities in an integrated and time bound manner.

Speaking at a ceremony to mark the fourth anniversary of the mission, Tomar, the Union Minister for Rural Development, said the Rurban Mission embodies the spirit of the Indian culture and tradition which is that of community living.

The community perspective has to be kept in mind for holistic development of a region and cluster approach is very fruitful in that regard, Tomar said in an official statement.

He said when the community spirit and effort increases, the Centre and states will work together for development of clusters and all schemes will be made convergent towards that objective.

The Union Minister said that the amount of funding given to this scheme is mostly for gap funding but the central and state government funding together can have a good impact on development of clusters. PTI JTR CK

Outlook
THE NEWS SCROLL

21 FEBRUARY 2020 Last Updated at 9:36 PM | SOURCE: IANS

Govt to encourage formation of "cluster villages"

Govt to encourage formation of "cluster villages"

New Delhi, Feb 21 (IANS) The Central government, under the Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission, is encouraging formation of "cluster villages" so as to enable them to get facilities available in urban areas.

The mission, which got off the ground on February 21, 2016, has in its wing 300 such village clusters, according to officials of the Rural Development Ministry.

"The aim is to create at least 1,000 such clusters," said an official on the fourth anniversary of the launch of the mission.

"The objective of the mission is to make available city-like facilities in villages, which should now join the development competition. As most of our population lives in villages, there is need for "smart villages" alongside "smart cities"," said the official.

The government is working on a development model that has villages as its soul with facilities on lines of cities. The government has set aside Rs 21,000 crore for the project, said the official.

He said the facilities proposed to be available in such cluster villages would include 24-hour water supply, trash management, public transport, small and medium industries, citizen service centre, digital literacy, improved healthcare, sports infrastructure and skill development centres.

The official cited many instances of the government initiative. One such example is 19 villages in Andhra Pradesh"s Vizianagaram district.

The 19 villages faced severe drinking water shortage. In Konda Lakshmipuram village -- located hardly a km from the block headquarters -- there were only six handpumps. The government facilitated linking of these villages and with an expenditure of Rs 16 crore helped set up a 10,000-litre water tank besides other development projects. "Most villages in the area now have tap water supply," the official said.

--IANS

hindi/prs

https://indusdictum.com/2020/02/21/niti-aayog-proposes-to-extend-rurban-mission-spmrm-to-over-1000-clusters/

INDUS DICTUM

NITI Aayog proposes to extend Rurban Mission (SPMRM) to over 1,000 clusters

February 21, 2020 **The ID Staff**

New Delhi: The 4th anniversary of the launch of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) will be observed today. On 21 February 2016, Prime Minister Narendra Modi launched the Mission with the vision to deliver catalytic interventions to rural areas on the threshold of growth.

Undertaken by the Union Ministry of Rural Development, the SPMRM focuses on cluster-based integrated development through spatial planning. Rurban clusters are identified across the country's rural areas showing increasing signs of urbanization, increase in population density, high levels of non-farm employment, presence of growing economic activities and other socioeconomic parameters.

The Mission aims to transform these rurban clusters by stimulating local economic development, enhancing basic services, and creating well-planned rurban clusters. This will lead to the holistic development of the region and encourage integrated and inclusive rural development.

Under the mission 300 rurban clusters are envisaged to be developed in a timebound manner. Of these 296 clusters have been selected and 288 Integrated Cluster Action Plans (ICAPs)

have been approved. Detailed Project Reports of 240 clusters have been approved.

SPMRM is a Core Centrally Sponsored Scheme. The Mission has two fund streams – convergence through various Central sector schemes, centrally sponsored schemes, State sector/ sponsored schemes/ programmes, CSR funds; and Critical Gap Funds (CGF). It provides for CGF up to Rs 30 crore per cluster for non-tribal clusters, and up to Rs 15 crore per cluster for tribal and hilly clusters.

Currently, the total Central share funds released is Rs 1,842.97 crore. Total investment approved in 288 ICAPs is Rs 28,075 crore with convergence being Rs 21,194 crore and Rs 6,882 crore. Of this, total expenditure as on 30 November 2019, was Rs 6,689 crore of which Rs 5,619 crore formed convergence and Rs 1,071 crore under CGF. The CGF release is expected to cross the target of Rs 1,200 crore by 31 March 2020.

Infrastructure planned in these clusters includes provisions for 24/7 water supply to all households, solid and liquid waste management facilities at the household and cluster level, provision of inter and intra village roads within the cluster, adequate street lights and public transport facilities using green technologies. Economic amenities in a cluster comprise various thematic areas in the sectors of agriculture services and processing, tourism, and skill development to promote small and medium scale enterprises.

SPMRM focuses on selecting interventions in components depending on locally felt needs in different clusters. The baseline survey identified sanitation, piped water supply, solid and liquid waste management, village street lights and electrification, access to village streets with drains, inter-village roads connectivity, public transport, skill development training linked to economic

activities, agri-services processing and allied activities, health, education, digital literacy, citizens service centres, LPG gas connection, environment, employment generation and self-help groups formation, tourism promotion, sports infrastructure, social infrastructure, rural housing, and social welfare, as the key components.

Going forward, the Ministry of Rural Development is taking steps to expedite the Mission's on-ground progress. The Mission is seeking an extension by 2 years to complete all the identified works. The Ministry has received requests on several forums and communications from many states and elected officials to allocate more rurban clusters. NITI Aayog has recently shared with the Ministry that based on learning from the success of the rurban clusters, a new and extended programme for over 1,000 clusters in next 3 years may be planned.

In words of the Prime Minister, the objective is to develop the clusters with 'Aatma Gaon Ki, Suvidhaen Shehar Ki' by providing all the basic amenities, infrastructure as well as economic development opportunities in an integrated and timebound manner.

https://indiaeducationdiary.in/4th-anniversary-of-shyama-prasad-mukherji-rurban-mission-spmrm-on-21st-february-2020/

4th Anniversary of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) on 21st February, 2020

February 20, 2020, New Delhi: The 4th Anniversary of the launch of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) will be observed tomorrow. On 21st February 2016, the Prime Minister Shri Narendra Modi launched the Mission with the vision to deliver catalytic interventions to rural areas on the threshold of growth.

Undertaken by the Union Ministry of Rural Development, the SPMRM focuses on cluster-based integrated development through Spatial Planning. Rurban clusters are identified across the country's rural areas showing increasing signs of urbanization – i.e. increase in population density, high levels of non-farm employment, presence of growing economic activities and other socioeconomic parameters.

The Mission aims to transform these Rurban clusters by stimulating local economic development, enhancing basic services, and creating well planned Rurban clusters. This would lead to holistic development of the region and encourage integrated and inclusive rural development.

Under the mission 300 Rurban clusters are envisaged to be developed in a timebound manner. Of these 296 clusters have been selected and number of Integrated Cluster Action Plans (ICAPs) approved are 288 and Detailed Project Reports of 240 have been approved.

SPMRM is a Core Centrally Sponsored Scheme; The Mission has two fund streams: (1) Convergence through various Central sector schemes, centrally sponsored schemes, State sector/ sponsored schemes/ programmes, CSR funds, and (2) Critical Gap Funds (CGF). It provides for CGF upto Rs. 30 crore per cluster for Non-tribal clusters, and upto Rs. 15 crore per cluster for Tribal and Hilly State clusters.

Currently, total Central Share funds released till date is Rs. 1,842.97 cr. Total investment approved in 288 ICAPs is Rs.28,075 cr with convergence being

Rs.21,194 cr and Rs. 6,882cr. Of this, total expenditure, as on 30th November 2019, was Rs.6, 689 cr of which Rs. 5,619 cr formed convergence and Rs. 1,071 cr under CGF. The CGF Funds release is expected to cross target of Rs. 1,200 crore by 31st March, 2020.

Infrastructure planned in these clusters includes provision of 24/7 water supply to all households, Solid and Liquid Waste Management facilities at the household and cluster level, provision of Inter and Intra village roads within the cluster, adequate street lights and public transport facilities using green technologies. Economic amenities in a cluster comprise various thematic areas in the sectors of Agri Services and Processing, Tourism, and Skill Development to promote Small and Medium Scale Enterprises.

SPMRM clusters focus selecting interventions from the following components depending on locally felt need as identified during baseline survey:

(i) Sanitation, (ii) Piped Water Supply, (iii) Solid and Liquid Waste Management, (iv) Village Street Lights and Electrification, (v) Access to Village Streets With Drains, (vi) Inter Village Roads Connectivity, (vii) Public Transport, (viii) Skill Development Training Linked to Economic Activities, (ix) Agri-Services Processing and Allied Activities, (x) Health, (xi) Education, (xii) Digital Literacy, (xiii) Citizens Service Centers, (xiv) LPG Gas Connection, (xv) Environment, (xvi) Employment Generation and SHG Formation, (xvii) Tourism Promotion, (xviii) Sports Infrastructure, (xix) Social Infrastructure, (xx) Rural Housing, (xxi) Social Welfare.

Going forward, the Ministry of Rural Development is taking steps to expedite Mission's on-ground progress. The Mission is seeking extension by 2 years to complete all the identified works. Ministry has received requests on several forums and communications from many States and elected officials to allocate more Rurban clusters. NITI Aayog has recently shared with Ministry that based on learning from the success of the Rurban clusters; a new and extended programme for over a 1,000 clusters in next 3 years may be planned.

In words of the Prime Minister, the objective is to develop the clusters with **'आत्मा गॉव की...., सुविधाएं शहर की**' by providing all the basic amenities, infrastructure as well as economic development opportunities in an integrated and time bound manner.

National Web News

https://smestreet.in/sectors/union-rural-development-minister-narendra-singh-tomar-initiates-the-4th-anniversary-celebration-of-shyama-prasad-mukherjee-rurban-mission/

Union Rural Development Minister Narendra Singh Tomar Initiates The 4th Anniversary Celebration Of Shyama Prasad Mukherjee Rurban Mission

Tending to the social event subsequent to lighting the formal light, Union Minister Narendra Singh Tomar praised all the members on the fourth Anniversary of the Mission and said that the Rurban strategic the soul of Indian culture and convention which is that of network living.

SMEStreet Desk February 25, 2020 2:15 pm 0

Union Rural Development Minister Narendra Singh Tomar Initiates The 4th Anniversary Celebration Of Shyama Prasad Mukherjee Rurban Mission

The Union Minister for Rural Development, Panchayati Raj, Agriculture and Farmers' Welfare Narendra Singh Tomar today introduced the fourth Anniversary festivity of Shyama Prasad Mukherjee Rurban Mission at Dr. Ambedkar International Center in New Delhi. The Mission was propelled by Prime Minister Shri Narendra Modi on 21st February 2016, with the vision to convey synergist intercessions to country zones on the edge of development. The goal is to build up the bunches in a comprehensive way by giving all the fundamental enhancements, foundation just as financial improvement openings in a coordinated and time bound way.

Tending to the social event subsequent to lighting the formal light, Union Minister Narendra Singh Tomar praised all the members on the fourth Anniversary of the Mission and said that the Rurban strategic the soul of Indian culture and convention which is that of network living. Tomar said that the network viewpoint must be remembered for comprehensive advancement of an area and bunch approach is productive in such manner. The Minister asked that individuals ought to be devoted towards accomplishing the goal of 'sabka saath sabka vikas' and work towards improvement of towns and country India with a network soul. He said that when the network soul and exertion expands then Center and State will cooperate for improvement of groups and all plans will be made united towards that objective.

The Union Minister said that the measure of subsidizing given to this plan is generally for hole financing however the Central and State government subsidizing together can goodly affect improvement of groups. Shri Tomar said that any task in its beginning stage faces a great deal of obstacles or challenges however when all the individuals choose to cooperate as one then improvement will be accomplished. The Minister hailed the endeavors of all associated with the SPM Rurban Mission and asked all to work more diligently for making this crucial achievement and increment the general degree of improvement particularly in Rural India.

Secretary, Department of Rural Development Shri Rajesh Bhushan hailed the positive mediations and examples of overcoming adversity under the Rurban Mission and respected all the members from different States and Panchayati Raj foundations to share their encounters and troubles confronted with the goal that others can gain from them and improve by and large usage. Shri Bhushan featured the accomplishments under the mission and said that 300 groups have been designated so far by the Ministry out of which 296 have been affirmed.

Discussing the significance of the Mission, the Secretary said that this crucial to union of the plans of Union Government and the State Governments which prompts generally improvement of the area in an arranged and sorted out way. Shri Bhushan said that the basic hole subsidizing part of the mission prompts further combination and improves productivity in by and large usage by giving budgetary help to different tasks. He further educated that the crucial great work openings, essential just as urban offices to rustic India, for example, squander the executives, keen study halls, funneled water supply, Roads, Agro preparing and esteem expansion to essential produce and so forth and along these lines is basic for all encompassing improvement.

http://www.newsonair.nic.in/News?title=Agriculture-Minister-Narendra-Singh-Tomar-launches-PM-KISAN-mobile-App-%3B-reiterates-Govt%26%2339%3Bs-commitment-for-doubling-farmer%26%2339%3Bs-income-by-2022&id=381850

NEWS SERVICES DIVISION
ALL INDIA RADIO

Feb 24, 2020

Govt plans to construct 1,000 more urbanized clusters in rural areas, says Rural Development Minister Narendra Singh Tomar

Union Minister for Rural Development Narendra Singh Tomar has said, after evaluating the success rate of Rurban Clusters scheme, government is intending to move ahead to construct 1,000 more urbanized clusters in rural areas

Speaking at the of 4th Anniversary Celebration function of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission, SPMRM in New Delhi today, Mr Tomar said, sense of mutual cooperation between people, who want urbanization in their rural space and concerned ministry officials will be instrumental in ensuring the success of the scheme.

On the occasion, the Minister launched GeoRurban, a mobile app to be used for Geo-tagging for the assets in the rurban clusters.

AIR correspondent reports that this flagship scheme of Centre, launched by Prime Minister Narendra Modi on 21st February in 2016, aims at transforming these Rurban clusters by stimulating local economic development, enhancing basic services, and creating well planned Rurban clusters.

MIzoram

THE MIZORAM POST AIZAWL
TUESDAY 25 FEBRUARY 2020

4th Anniversary of Shyama Prasad Mukherjee Rurban Mission (SPMRM) was held

AIZAWL, FEB 24

A one-day Commemoration on 4th Anniversary of Shyama Prasad Mukherjee Rurban Mission (SPMRM) was held today, the 24th February, 2020 at the State Institute of Rural Development Conference Hall. The programme was organized by the Field Outreach Bureau, Aizawl, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India and sponsored by the Rural Development Department, Government of Mizoram in close co-ordination with Block Development Officer, Thingsulthliah, and other line Departments such as ICDS, Power & Electric Dept. Horticulture, Primary Health Centre, Presbyterian English School and local NGO(s) of Thingsulthliah.

The Main objective of the Programme is to disseminate information and education to the People on the above Mission of the Government of India and implemented by the Rural Development Department, Government of Mizoram.

Smt. Lalzikpuii, Block Development Officer, Thingsulthliah delivered a lecture on SPMRM as Resource person and Dr. A. Ibomcha Sharma, Field Exhibition Officer, FOB Aizawl gave a short speech highlighting the Rurban Mission and on Ek Bharat Shreshtha Bharat (EBSB) during the event.

Smt. Lalzikpuii said that Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission (SPMRM) is a scheme launched by Government of India in 2016 to deliver integrated project based infrastructure in the rural areas, which will also include development of economic activities and skill development. The preferred mode of delivery is through Public Private Partnerships while using various scheme funds for financing, the

Mission has progressed since its launch in 2016. Out of the mandated 300 clusters, 295 clusters have been identified and approved across 29 States and 6 Union Territories. The State Governments identify the clusters in accordance with the Framework for Implementation prepared by the Ministry of Rural Development.

For the selection of clusters, the Ministry of Rural Development is adopting a scientific process of cluster selection which involves an objective analysis at the District, Sub District and Village level, of the demography, economy, tourism and pilgrimage significance and transportation corridor impact. While the Ministry, following this analysis, would provide a suggestive list of sub-districts to the State, the State Governments would then select the clusters following a set of indicated principles included in the Framework for Implementation.

Speaking about Ek Bharat Shreshtha Bharat, Dr. Ibomcha Sharma said that the main objective of Ek Bharat Shrestha Bharat is to celebrate the Unity in Diversity of our nation and to maintain and strengthen the fabric of traditionally existing emotional bonds among the people of our country, promote the spirit of national integration through a deep and structured engagement among the states and union territories through a year-long planned engagement among states, to showcase the rich heritage and culture, customs and traditions of the states and union territories in the country for enabling people to understand and appreciate the diversity in the country, thus fostering a sense of common identity to create an environment which will promote learning between states by sharing best practices and experiences with an endeavour to attain the new height of India as a world leader.

Approximately 100 people including the officials of the Field Outreach Bureau, Block Development Officer and other line Departments such as ICDS, Power and Electric Dept., Horticulture, Primary Health Centre, Presbyterian English Schools and representatives of local NGO(s) attended the programme. Cultural programme, Quiz competition and Prize distribution to the winners of the quiz competition were the other main highlights of today's programme.

Telangana

Telangana Today

Gajwel Urban Park in the making with world-class facilities

STATE BUREAU
Gajwel

Gajwel Urban Park, which is being developed at a cost of Rs 3.5 crore in 293 acres of forest land adjacent to Gajwel-Wargal road, has been drawing huge crowds during weekends and holidays right before its formal inauguration.

Since it is going to be one of the rarest and largest parks in the State, having over 100 tree species, the park has been attracting VIPs, nature lovers and environmentalists.

On January 1, RM Dobriyal (Additional Principal Conservator of Forests-Social Forest), took his friends and relatives to Gajwel park tour from all the way from Hyderabad. Each and every one of them was impressed by seeing such a wonderful park. It is not only senior IFS officer, Dobriyal, but many officials and public representatives from across Telangana State and other parts of the country were also making a visit to have a glimpse of the lung space and to replicate the same in their respective areas. Since it is having some 33 water bodies, including 5 big-lakes, the DFO observed that it was going to be a home for many birds and herbivores such as wild hare in the days to come because the entire park was having fencing now.

IN NATURE'S LAP: *Gajwel Urban Park, spread in 293 acres, has an open gym, children playing space, verdant plantations, watchtowers and many other features for people of all ages to explore.*

The beauty of the 293-acre park is that the forest department to keep most parts of the area intact like the forest. They will further take up the plantation in the area. They are making some development works in a few acres at the entrance of the park and at camping location including a couple of lakes while keeping the rest of it like a natural forest area.

Divisional Forest Officer, Siddipet, Chepuri Sridhar Rao said that the park had something for all the age group people including the women. While there was an open gym for youth, children playing space, Labyrinth plantation and tent facilities, which is yet to be completed, watchtowers and many others for people of all the ages to explore. To have an overview of the 293-acre park, a couple of watch towers were also being built at various locations. Saying that the works at the Park is almost nearing completion, DFO, Sridhar said that Chief Minister K Chandrashekhar Rao, who is representing from Gajwel Assembly Constituency, wanted to have a world-class urban park close to Gajwel town, which is witnessing a rapid development of late. "We have been just working on to materialise his dream under the guidance a team of experts in the field, he said.

> We are working to materialise dream of Chief Minister who wanted to have a world-class urban park close to Gajwel
>
> — CHEPURI SRIDHAR RAO, DFO, SIDDIPET

The 14 tent camping facility, which is being built by utilising the funds under RURBAN scheme, will further provide an opportunity to experience life in forest during the night too. The park is not only going to attract the visitors from Gajwel and its viscinity, it is being developed with an view to attract to nature lovers from Hyderabad and other parts of the Telangana.

Once the tent camping facility is completed, the DFO said that they would make available the booking facility online to enable the people to book the facility at finger tips. The park will also have two hotels which will exclusively serve some good Telangana recipes to make the visit more memorable.

The DFO further said that they need to construct toilets and besides connecting the park with drinking water facility with an additional budget of Rs 50 lakh. Once these two works are completed, the park will be thrown open to the public officially.

So far, it has been attracting about 700 visitors during weekends since it had got some mouth-to-mouth publicity locally.

The Indian Awaaz
The real voice of India

https://theindianawaaz.com/govt-to-construct-1000-more-urbanized-clusters-in-rural-areas/

Govt to construct 1,000 more urbanized clusters in rural areas

Published On: 24/02/2020 - 9:53 PM By INDIAN AWAAZ

ONKAR SINGH / NEW DELHI

Union Minister for Rural Development Narendra Singh Tomar has said government is intending to move ahead to construct 1,000 more urbanized clusters in rural areas after the success of urban Clusters scheme,

Speaking at the of 4th Anniversary Celebration function of Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission, SPMRM here today, Mr Tomar said, sense of mutual cooperation between people, who want urbanization in their rural space and concerned ministry officials will be instrumental in ensuring the success of the scheme.

On the occasion, the Minister launched GeoRurban, a mobile app to be used for Geo-tagging for the assets in the rurban clusters.

The flagship scheme of Centre, launched by Prime Minister Narendra Modi on 21st February in 2016, aims at transforming these Rurban clusters by stimulating local economic development, enhancing basic services, and creating well planned Rurban clusters.

Gujarat

શુક્રવાર, તા. ૨૧ ફેબ્રુઆરી, ૨૦૨૦

શ્યામા પ્રસાદ મુખર્જી રૂબેન યોજના હેઠળ

મહુવાના કલસ્ટર હેઠળ સાત ગામોમાં ૪૦ જેટલા પ્રોજેક્ટ કામો હાથ ધરાશે

ભાવનગર, ગુરૂવાર

શ્યામા પ્રસાદ મુખર્જી રૂર્બન યોજના હેઠળ મહુવા તાલુકાનના મોટા ખુંટવડા ગામની કલસ્ટર તરીકે પસંદગી કરાઈ છે. જે તળે સાત ગામોમાં કુલ ૪૦ જેટલા પ્રોજેક્ટ કામો હાથ ધરી વિસ્તારનો વિકાસ હાથ ધરાશે.

માળખાકીય, આર્થિક તેમજ સામાજિક સવલતો પુરી પાડવા ખુંટવડાની પસંદગી

ગામોના સમુહને માળખાકીય, આર્થિક તેમજ સામાજીક સવલતો પૂરી પાડી આ ગામના જુથો તેમજ તેમના આસપાસના વિસ્તારની સુખાકારીમાં વધારો થાય તે હેતુથી પ્રધાનમંત્રી દ્વારા ૨૧ ફેબ્રુઆરી ૨૦૧૬ના રોજ શ્યામા પ્રસાદ મુખર્જી રૂર્બન યોજનાનો શુભારંભ કરાવામાં આવ્યો હતો. જેમાં હાલમાં ફેઝ-૧, ૨ અને ૩ના કુલ ૧૬ કલસ્ટરની પસંદગી કરવામા આવેલ છે.જેમાં મહુવા તાલુકાનું મોટા ખુંટવડા ગામ બિન આદિવાસી ક્લસ્ટર તરીકે પસંદ થયેલ છે.

આ યોજનાનો ઉદ્દેશ્ય સ્થાનિક આર્થિક વિકાસને ઉત્તેજીત કરી, મૂળભૂત સેવાઓમાં વધારો કરવા અને સુવ્યવસ્થિત રૂર્બન ક્લસ્ટર બનાવી ગ્રામીણ-શહેરી વિસ્તારને જોડવાનો છે. સાથે સાથે આ મિશન અંતર્ગત આર્થિક, તકનીકી અને સુવિધાઓ અને સેવાઓથી સંબંધિત ગ્રામીણ વિસ્તારોમાં ગરીબી અને બેરોજગારીના ઘટાડા પર ભાર મુકી ગ્રામીણ વિસ્તારોમાં રોકાણ આકર્ષિત કરવાનો છે.

આ માટે સીજીએફના પ્રોજેક્ટ્સ માટે કેન્દ્ર સરકારનો ફાળો ૬૦% તેમજ રાજ્ય સરકારનો ફાળો ૪૦% રહેશે.

આ ક્લસ્ટરમાં મોટા ખુંટવડા, મોટા આસરણા, નાના આસરણા, થોરાળા, ગોરસ, કિંકરીયા, બોરડીએમ કુલ ૭ ગામોનો સમાવેશ થયેલ છે. આ ૭ ગામોમાં આર્થિક, સામાજીક, શિક્ષણ, રમત ગમત, એગ્રીકલ્ચર વગેરે ક્ષેત્રે મોટા પ્રમાણમાં સુવિધાઓ ઉપલબ્ધ થનાર છે. આ યોજના દ્વારા આ ક્લસ્ટરનાં ગામોનો વિકાસ થવાથી ગામના લોકોની સુખાકારીમાં વધારો થશે. તેમજ આર્થિક અને સામાજીક રીતે પ્રગતિ થશે. આરોગ્ય ક્ષેત્રે સુવિધાઓ ઉપ્લબ્ધ થવાથી લોકોના આરોગ્યમાં વધારો થશે જેનાથી ગામના લોકોનું જીવનધોરણ ઉંચુ આવશે.

ફોર્મ નં. યુઆરસી - ૨

કંપનીઝ એક્ટ, ૨૦૧૩ ના પ્રકરણ XXI ના ભાગ I હેઠળ નોંધણી અંગે નોટીસ આપવાની જાહેરાત (કંપનીઝ એક્ટ, ૨૦૧૩ ની કલમ ૩૭૪ (બી) અને કંપનીઝ (રજીસ્ટર થવાના અધિકૃત) નિયમો, ૨૦૧૪ ના નિયમ ૪(૧) અનુસાર)

1. નોટીસ દ્વારા જાણ કરવામાં આવે છે કે કંપનીઝ એક્ટ, ૨૦૧૩ની કલમ ૩૬૬ ની પેટા કલમ (૨) ના અનુસંધાનમાં, ધાશિરામ ગોકલચંદ શિપ બ્રેકીંગ યાર્ડએ ભાગીદારી કંપની, કંપનીઝ એક્ટ, ૨૦૧૩ ના પ્રકરણ XXI ના ભાગ I હેઠળ શેર દ્વારા મર્યાદિત કંપની તરીકે નોંધણી કરવાની અરજી રજીસ્ટ્રાર મહારાષ્ટ્ર, મુંબઈને આપવાની છે.
2. કંપનીના મુખ્ય કાર્યો / કામકાજો નીચે મુજબ છે :
   સ્ક્રેપ થયેલ વહાણ ખરીદવું, તેનું ભંગાણ કરવું અને સ્ક્રેપ વેચવું અને તેનાથી થતી અન્ય સામગ્રીઓનું વેચાણ કરવું વગેરે અને સ્પોન આયર્ન પ્લાન્ટ, પાવર પ્લાન્ટ, ઈનગોટ પ્લાન્ટ, રોલિંગ મિલ પ્લાન્ટ અને ઓકિસજન પ્લાન્ટ અને ઓકિસજન ગેસ પ્લાન્ટ અને અન્ય સહયોગી અને સંબંધિત પ્રવૃત્તિઓ વગેરે સહિતની વિવિધ સ્ટીલ મેન્યુફેકચરિંગ એકમો અને / અથવા અન્ય કોઈપણ વ્યવસાય અથવા વ્યવસાયો પારસ્પરિક રૂપે હોઈ શકે છે. સમય સમય પર પરસ્પર નિર્ણય લેવામાં આવી શકે છે.
3. સૂચિત કંપનીના મેમોરેન્ડમ અને આર્ટિકલ્સ ઓફ એસોસિયેશનના ડ્રાફ્ટની નકલની તપાસ રજીસ્ટર્ડ ઓફિસમાં ૧૦૨ એ, ટનવાલ અને ઓમકાર એસ્કવેર, સાયન ચુનાભટ્ટી સિગ્નલ, ઈસ્ટર્ન એક્સપ્રેસ હાઈવે, સાયન (પૂર્વ), મુંબઈ -૪૦૦ ૦૨૨ માં થઈ શકે છે.
4. નોટિસ એ છે કે, આ એપ્લિકેશનને અવરોધે છે તે કોઈપણ વ્યક્તિ લેખિતમાં તેમના વાંધાને રજીસ્ટ્રાર સેન્ટ્રલ રજીસ્ટ્રેશન સેન્ટર (સીઆરસી), ઈન્ડિયન ઈન્સ્ટિટ્યુટ ઓફ કોર્પોરેટ અફેર્સ (આઈઆઈસીએ),

Andhra Pradesh

నైపుణ్యంతోపాటు ఆదాయాన్ని పెంచుకోవడానికీ ఇదొక మంచి అవకాశం

- ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు
- మహిళలు ఈ అవకాశాన్ని సద్వినియోగం చేసుకోండి
- ఎడ్యుకేషనల్ సొసైటి డైరెక్టర్ ఏవి శ్రీలక్ష్మి

వినుకొండ:నేషనల్ రూర్బన్ మిషన్ మరియు శ్రీ కృష్ణ మరియు శ్రీ వెంకటేశ్వర ఎడ్యుకేషనల్ సొసైటి సంయుక్తంగా నూజెండ్ల మండల పరిధిలో 45రోజుల పాటు శిక్షణ ఇచ్చి మహిళల్లో నైపుణ్యం పెంచటంతోపాటు ఆదాయాన్ని పెంచుకోవడానికి ఇదొక మంచి అవకాశమని స్థానిక శాసనసభ్యులు బొల్లా బ్రహ్మ నాయుడు అన్నారు. ఈ సందర్భంగా ఏర్పాటు చేసిన కార్యాలయంలో యంపీవో యం.వెంకటరెడ్డి అధ్యక్షత వహించగా స్థానిక ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మ నాయుడు ముఖ్యఅతిథిగా విచ్చేసి ప్రసంగించారు. ఇటువంటి శిక్షణ కార్యక్రమాల్లో మహిళలు నైపుణ్యంతోపాటు ఆదాయాన్ని పెంచుకోవడానికి ఇదొక మంచి అవకాశమన్నారు. వీలికోసం ఆయా బ్యాంకుల ద్వారా రుణ సదుపాయం పొందవచ్చునని తెలియజేశారు. ప్రభుత్వం నవరత్నాలు కార్యక్రమం లో భాగంగా అందులో ఈ ఎంబ్రాయిడరీ శిక్షణ మహిళలకు ఎంతో అవసరమని తెలియజేశారు. అదేవిధంగా ఎడ్యుకేషనల్ సొసైటి డైరెక్టర్ ఏవి శ్రీలక్ష్మి మాట్లాడుతూ స్థానిక ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు స్ఫూర్తితో మండలం లోని ఐదుచోట్ల రెండవ బ్యాచ్ శిక్షణ కార్యక్రమం పర్యవేక్షిస్తున్నామని, వారి సమీప సహకారాలు అందిస్తారని తెలియజేశారున్నారు. నిరుపేద వర్గంలోని మహిళలు ఈ అవకాశాన్ని సద్వినియోగం చేసుకోవాలన్నారు. అనంతరం శిక్షణలోపాల్గొన్న వారికి ఎమ్మెల్యే చేతులమీదుగా ధృవపత్రాలు అందజేశారు. అనంతరం శిక్షణ పూర్తిచేసుకున్న సందర్భంగా ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు కేక్ కటింగ్ చేసి శుభాకాంక్షలు తెలియజేసిన అనంతరం ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడును ఎడ్యుకేషనల్ సొసైటి డైరెక్టర్ ఏవి శ్రీలక్ష్మి దుశ్శాలతో ఘనంగా సత్కరించారు.

వృత్తి నైపుణ్యంతో మెరుగైన ఉపాధి

మహిళలకు సర్టిఫికెట్లు అందజేస్తున్న ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు

నూజెండ్ల, ఫిబ్రవరి 19 : వృత్తి నైపుణ్యాలు పెంపొందించు కోవటం ద్వారా మెరుగైన ఉపాధి లభిస్తుందని ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు అన్నారు. నేషనల్ రూరల్ అర్బన్ మిషన్, సీడాప్ ఆధ్వర్యంలో శ్రీ కృష్ణ అండ్ శ్రీ వెంకటేశ్వర ఎడ్యుకేషనల్ సొసైటీ ద్వారా ఎంబ్రాయిడరీలో శిక్షణ పొందిన వారికి ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు బుధవారం సర్టిఫికెట్లను అందజేశారు. ఈ సందర్భంగా ఎమ్మెల్యే బ్రహ్మనాయుడు మాట్లాడుతూ ప్రభుత్వం ఆందిస్తున్న శిక్షణా కార్యక్రమాలను మండలంలోని యువత సద్వినియోగం చేసుకొని మంచి ఉద్యోగాలు, వ్యాపారాలను ప్రారంభించాలన్నారు. ఈ కార్యక్రమంలో ఎంపీడీవో ఎం వెంకటరెడ్డి, వినుకొండ మార్కెట్ యార్డు చైర్మన్ గుదం బాలిరెడ్డి, బత్తుల చిన్నబ్బాయి, ఏపీఎం జీ సత్యానందం, ఎడ్యుకేషనల్ సొసైటీ మేనేజింగ్ డైరెక్టర్ శ్రీలక్ష్మి తదితరులు పాల్గొన్నారు.

అభ్యర్థులకు గుర్తింపు పత్రాలు అందించిన ఎమ్మెల్యే

వినుకొండటౌన్, ఫిబ్రవరి 19 : నూజెండ్ల మండలంలో వృత్తివిద్య కోర్సుల్లో శిక్షణ పొందిన అభ్యర్థులకు యాజమాన్యం సహకారంతో ఎమ్మెల్యే నివాసంలో బుధవారం సర్టిఫికెట్లను పంపిణీ చేశారు. ఈ సందర్భంగా ఎమ్మెల్యే బొల్లా మాట్లాడుతూ సర్టిఫికెట్లు పొందిన మహిళలు ఎంచుకున్న రంగంలో అభివృద్ధి చెందాలని అన్నారు.

Andhra Pradesh

సర్టిఫికెట్ల పంపిణీ

వినుకొండ(నూజెండ్ల): నూజెండ్ల మండలం నేషనల్ రూర్బన్ మిషన్, సీడాప్ ఆధ్వర్యంలో ఎస్‌కేఎస్‌వీ ఎడ్యుకేషనల్ సొసైటీ సంయుక్తంగా ఏర్పాటు చేసిన హ్యాండ్‌లూంబ్ ట్రైనింగ్ కోర్సు పూర్తి చేసిన అభ్యర్థులకు ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు సర్టిఫికెట్లను వినుకొండలో ఏర్పాటు చేసిన కార్యక్రమంలో అందజేశారు. నూజెండ్ల సొసైటీ సెక్రటరీ శ్రీలక్ష్మి ఆధ్వర్యంలో జరిగిన కార్యక్రమంలో ఎమ్మెల్యే మాట్లాడుతూ మహిళల ఆర్థిక ఎదుగుదల కోసం స్వయం కృషితో ఎదిగేందుకు, నైపుణ్యాలు పెంపొందించుకునేందుకు ట్రైనింగ్ సెంటర్లు ఉపయోగపడతాయన్నారు. కార్యక్రమంలో ఎంపీడీవో వెంకటరెడ్డి, ఏపీఎం సత్యానందంతో పాటు మహిళలు పాల్గొన్నారు.

నైపుణ్యంతోపాటు ఆదాయాన్ని పెంచుకోవడానికి ఇదొక మంచి అవకాశం

-ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు

వినుకొండ,(కాకతీయ)-నేషనల్ రూర్బన్ మిషన్ మరియు శ్రీ కృష్ణ మరియు శ్రీ వెంకటేశ్వర ఎడ్యుకేషనల్ సొసైటీ సంయుక్తగా నూజెండ్ల మండల పరిధిలో 45రోజుల పాటు శిక్షణ ఇచ్చి మహిళల్లో నైపుణ్యం పెంచుటతోపాటు ఆదాయాన్ని పెంచుకోవడానికి ఇదొక మంచి అవకాశమని స్థానిక శాసనసభ్యులు బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు అన్నారు. ఈ సందర్భంగా ఏర్పాటు చేసిన కార్యలయంలో యంపిపీ యం.వెంకటరెడ్డి అధ్యక్షత వహించగా స్థానిక ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు ముఖ్యఅతిధిగా విచ్చేసి ప్రసంగించారు. ఇటువంటి శిక్షణ కార్యక్రమాల్లో మహిళలు నైపుణ్యంతోపాటు ఆదాయాన్ని పెంచుకోవడానికి ఇదొక మంచి అవకాశమన్నారు. వీటికోసం ఆయా బ్యాంకుల ద్వారా రుణ సదుపాయం పొందవచ్చునని తెలియజేశారు. ప్రభుత్వం నవరత్నాలు కార్యక్రమంలో భాగంగా అందులో ఈ ఎంబ్రాయిడరీ శిక్షణ మహిళలకు ఎంతో అవసరమని తెలియజేశారు. అదేవిదంగా ఎడ్యుకేషనల్ సొసైటి డైరెక్టర్ ఏవి శ్రీలక్ష్మి మాట్లాడుతూ స్థానిక ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు స్ఫూర్తితో మండలంలోని ఐనవోలులో రెండవ బ్యాచ్ శిక్షణ కార్యక్రమం నిర్వహిస్తున్నామని, వారి సహాయ సహకారాలు అందిస్తారని తెలియజేశారన్నారు. నియోజకవర్గంలోని మహిళలు ఈ అవకాశాన్ని సద్వినియోగం చేసుకోవాలన్నారు. అనంతరం శిక్షణలోపాల్గొన్న వారికి ఎమ్మెల్యే

చేతులమీదుగా ధృవపత్రాలు అందజేశారు. అనంతరం శిక్షణ పూర్తిచేసుకున్న సందర్భంగా ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడు కేక్ కట్‌చేసి శుభాకాంక్షలు తెలియజేసిన అనంతరం ఎమ్మెల్యే బొల్లా బ్రహ్మనాయుడును ఎడ్యుకేషనల్ సొసైటి డైరెక్టర్ ఏవి శ్రీలక్ష్మి దుశ్శాలతో ఘనంగా సత్కరించారు.

రూర్బన్ పథకం నిధులు రూ.15.80 కోట్లు మంజూరు

సిమెంట్ శంకుస్థాపనలో పాల్గొన్న డాక్టర్ వెంకయ్య

నింగనాయకుంట: మండలానికి రూర్బన్ పథకం నిధులు 15.80 కోట్లు మంజూర్ అయ్యాయని పీకేసీసీ బ్యాంకు వైర్మన్ డాక్టర్ మాదాసి వెంకయ్య అన్నారు. రూర్బన్ పథకం కింద సుమారు రూ.1.10 కోట్ల అంచనా వ్యయంతో నిర్మిస్తున్న కనుమక్క రోడ్డు అభివృద్ధి పనులకు ఆయన శంకుస్థాపన చేశారు. ఈ సందర్భంగా ఆయన మాట్లాడుతూ రూర్బన్ నిధులు రూ.15.80 కోట్లు దర్శయ్యాయని, దీంతో మంత్రి బాలినేని, ఎంపీ మాగుంట, టీటీడీ వైర్మన్ వైవీ సుబ్బారెడ్డి సహకారంతో సీఎం దొరవారితో పోరిగి ఆ నిధులను వినరుద్ధరించారన్నారు. దీంతో 15.80 కోట్ల నిధులకు గాను మ్యాచింగ్ గ్రాంటు కలిపి మొత్తం 50.80 కోట్లకు సంబంధించి 71 పనులు మంజూర్ అయ్యాయని తెలిపారు. ఇందులో ఆర్‌డబ్ల్యూఎస్ పనులకు రూ.8.80 కోట్లు, పంచాయతీరాజ్ శాఖ కింద సిమెంట్ రోడ్డు పనులకు రూ.30 కోట్లు, మురుగునాలాల అభివృద్ధికి రూ.5 కోట్లు, విద్య, వైద్యానికి సంబంధించి రూ.9 కోట్ల నిధులు మంజూరయ్యాయన్నారు. ఈ నిధులతో మండలాన్ని పూర్తి స్థాయిలో అభివృ ద్ధి చేస్తామన్నారు. జిల్లాలో నంగమేశ్వరం ప్రాజెక్టు, వెలుగొండ ప్రాజెక్టు, దొనకొండ లో పారిశ్రామిక కారిడార్, రామాయపట్నం పోర్టు ల ఏర్పాటుకు కృషి చేస్తున్నారన్నారు. కార్యక్ర మంలో వైఎస్సార్ సీపీ ఒంగోలు పార్లమెంట్ వైద్య విభాగం అధ్యక్షుడు డాక్టర్ బత్తుల ఆశోక్ కుమార్‌రెడ్డి, కొండపి వ్యవసాయ మార్కెట్ కమిటీ వైర్మన్ రాపూరి ప్రభావతి, ఎంపీడీఓ షేక్ జమీఉల్లా, పంచాయతీరాజ్ ఏఈ శ్రీహరి, షేక్ లియాఖత్, షేక్ కరీం, ఎస్‌డి అబ్దుల్లా, పామర్తి మాధవరావు, యనమల మాధవి, షేక్ అల్లాఉద్దీన్ పాల్గొన్నారు.

Section C:
Social Media

Section C:
Social Media

SPMRM - Tweets

Narendra Singh Tomar
@nstomar

आत्मा गाँव की, सुविधा शहर की...

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन के चार वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया...

#SPMRM #RurbanMission #TransformingIndia

2:16 PM · Feb 24, 2020 · Twitter for Android

34 Retweets **290** Likes

SPMRM - Tweets

NIC
@NICMeity

Hon'ble Union Minister of Rural Development, Agriculture and Farmers Welfare & Panchayati Raj launched #NICMeitY developed 'GeoRurban' Mobile App for monitoring physical progress of the works under Shyama Prasad Mukherji Rurban Mission.

3:29 PM · Feb 28, 2020 · Twitter Web App

SPMRM - Tweets

Narendra Singh To... · 24 Feb

अगर इंसान संकल्प कर ले तो धन के अभाव में भी समस्याओं का निराकण किया जा सकता है...

श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन के 21 फरवरी को चार वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह में शामिल हुआ...

#SPMRM

Narendra Modi and 4 others